✷Website : www.kalamlok.com✷

वर्ष - 09 अंक - 343

बक्सर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

कलम लोक

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

“ सभ्यता एवं संस्कृति में जितना अंतर है, उतना ही अंतर उपासना और धर्म में है।

दूसरे फेज से पहले देश छोड़ दो, वरना... बंगाल में पीएम मोदी की किसे चेतावनी?

कोलकाता (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण के मतदान से पहले घुसपैठियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं घुसपैठियों को चेतावनी देता हूं कि वे बंगाल चुनाव के दूसरे चरण से पहले देश को छोड़ दें, वरना परिणाम आने के बाद उन्हें बाहर निकाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बंगाल चुनाव के पहले चरण में तृणमूल कांग्रेस का अहंकार चकनाचूर हो गया, दूसरे चरण में भाजपा की जीत सुनिश्चित होगी।

पीएम मोदी ने चुनावी रैली में कहा, ‘ ’तृणमूल कांग्रेस के शासन में छोटे से छोटा नेता और गुंडे भी खुद को सरकार समझते हैं। भाजपा को वोट दीजिए, मैं आपको तृणमूल कांग्रेस के ‘महा जंगलराज’ से मुक्ति दिलाऊंगा। तृणमूल कांग्रेस की ‘निर्मम सरकार’ बंगाल की महिलाओं पर अत्याचार करने वाले गुंडों के साथ खड़ी है। अब यह कहने का समय आ गया है कि इसे और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ‘ ’संदेशखलि के पीड़ित एवं आर जी कर अस्पताल की पीड़िता की मां को चुनाव में टिकट देने के फैसले में बंगाल की महिलाओं के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता झलकती है। बंगाल की नई भाजपा सरकार महिलाओं के साथ बलात्कार और उन्हें प्रताड़ित करने वाले बदमाशों को चार मई के बाद न्याय के कठघरे में लाएगी।’’ वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि मैं मतुआ नामशुद्र समुदाय के सदस्यों के समक्ष यह प्रतिज्ञा करता हूं कि उन्हें सीएए के माध्यम से नागरिकता प्राप्त होगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि पार्टी द्वारा संरक्षित गुंडों और

अपराधियों द्वारा चलाई जा रही है। चुनाव प्रचार समाप्त होने से एक दिन पहले, हुगली जिले के आरामबाग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सरकार चलाने के लिए टीएमसी की ‘ ’असामाजिक तत्वों पर निर्भरता’’ के कारण अक्सर कलकत्ता उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है। मोदी ने कहा, ‘ ’टीएमसी की ‘निर्मम सरकार’ नबान्न (राज्य सचिवालय) से नहीं चलती। इसे गुंडे और अपराधी चलाते हैं, और सरकार को पटरी पर लाने के लिए उच्च न्यायालय और देश की शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी है।’’ उन्होंने वादा किया कि राज्य में भाजपा सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में केंद्र की प्रमुख स्वास्थ्य बीमा योजना ‘आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना’ के कार्यान्वयन को मंजूरी दी जाएगी। ममता बनर्जी प्रशासन की विश्वसनीयता ‘ ’पूरी तरह से खत्म’’ होने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने दावा किया कि केवल भाजपा ही ऐसी सरकार बना सकती है जो राज्य के लोगों को न्याय और सुरक्षा प्रदान करेगी। राज्य के आलू किसानों की ‘ ’दुर्दशा’’ के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार से जुड़ा ‘सिंडिकेट राज’ उपज को कम दाम पर खरीदकर कहीं और ऊंचे दाम पर बेचता है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी के शासनकाल में राज्य भर में महिलाओं के खिलाफ हिंसक अपराध अपने चरम पर पहुंच गए। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर ‘ ’अपराधियों को संरक्षण देने’’ का आरोप लगाया, जिसके चलते अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं।

बिहार में 30 लाख में बिक रही थी सरकारी नौकरी, 38 लोग गिरफ्तार

पटना (संवाददाता)। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की परीक्षा में धांधली की परतें अब तेजी से खुलने लगी हैं। आर्थिक अपराध इकाई की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, इसमें एक बड़े संगठित गिरोह और ‘सॉल्वर गैंग’ की भूमिका सामने आ रही है। इस मामले में अब तक बिहार के 5 अलग-अलग जिलों में 8 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, वहीं पुलिस ने अब तक कुल 38 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। श्वह्न ने मामले की गंभीरता को देखते हुए BPSC से कई अहम जानकारियां मांगी हैं, जिससे आने वाले दिनों में कुछ बड़े नामों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। EOU की जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि मुंगेर, नालंदा, बेगूसराय, शेखपुरा और गया जैसे जिलों के परीक्षा केंद्रों पर धांधली का एक जैसा पैटर्न मिला है। कई अभ्यर्थी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज के साथ रंगे हाथों पकड़े गए। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि इस धांधली के पीछे एक बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा था, जो अभ्यर्थियों को 25 से 30 लाख रुपये में परीक्षा पास कराने का झांसा देता था।

बचपन के मंदिर में सम्राट चौधरी ने की पूजा, 101 किलो लड्डू का भोग लगाकर यह मन्नत मांगी

बांका (संवाददाता)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को पर्यटक स्थल प्रसिद्ध तिलडीहा दुर्गा मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह में प्रधान पुजारी श्याम आचार्य ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कराई। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सीएम ने 101 किलो लड्डू का मंदिर में भोग लगाया और बिहार की समृद्धि के लिए मन्नत मांगी। सीएम ने बताया कि बिहार के सम्राट का तिलडीहा दुर्गा मंदिर में बचपन से लगाव रहा है।

मुख्यमंत्री निर्धारित समय के पूर्व तीन बजे मंदिर पहुंचे और लगभग 20 मिनट तक परिसर में रुके। इस दौरान सीएम ने तिलडीहा मंदिर का चहुंमुखी विकास करने की बात कही। बताया कि 1603 में स्थापित प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर को प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विकास का ब्लूप्रिंट तैयार किया जा रहा है। तिलडीहा स्थित आईबी भवन का विस्तार होगा तथा दक्षिण छत्रहार की ओर एक एकड़ भूमि में पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही मंदिर परिसर में आकर्षक कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि इस मंदिर से उनका बचपन से ही लगाव है। इस पुराने मंदिर के विकास और विस्तार के लिए वह पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने पूजा के दौरान बीजेपी नेताओं के साथ 101 किलो लड्डू चढ़ाया और ईश्वर से बिहार की तरक्की के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रिवर फ्रंट और उच्चस्तरीय पुल का निरीक्षण किया। साथ ही जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएम ने बताया कि एनडीए सरकार में सूबे में विकास की नदियां बहेंगी। तिलडीहा मंदिर परिसर में उन्होंने विभिन्न विकास कार्य का जायजा लिया।

‘हमलावर के दिल में भरी थी नफरत’ : वाइट हाउस डिनर शूटिंग पर ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना पर कहा है कि कथित हमलावर में लंबे समय से बहुत अधिक नफरत भरी हुई थी। फॉक्स न्यूज से बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शूटर लंबे समय से नफरत से भरा हुआ था, यही वजह थी कि उसने गोलीबारी की। ट्रंप ने इस घटना को पत्रकारिता के पेशे की खतरनाक प्रकृति का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह एक ‘खतरनाक पेशा’ है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के बाद वे कार्यक्रम जारी रखना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें अनुमति नहीं दी।

इस घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने वाइट हाउस परिसर के अंदर एक विशाल और अत्यधिक सुरक्षित ‘बॉलरूम’ के निर्माण कार्य को तेज करने की मांग की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि कल रात

जो हुआ, वह इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि पिछले 150 वर्षों से हर राष्ट्रपति और सुरक्षा एजेंसियां वाइट हाउस के भीतर एक सुरक्षित आयोजन स्थल की मांग क्यों करती रही हैं।

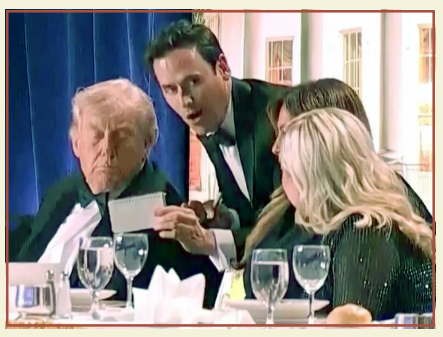

ट्रंप ने बताया कि वर्तमान में वाइट हाउस के अंदर ‘मिलिट्री टॉप सीक्रेट बॉलरूम’ का निर्माण चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि अगर यह बॉलरूम तैयार होता तो कल रात की घटना कभी नहीं होती।’ उन्होंने निर्माण कार्य को और तेज करने पर जोर देते हुए कहा कि यह न केवल सुंदर होगा बल्कि इसमें सुरक्षा के उच्चतम स्तर के फीचर्स भी होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह दुनिया की सबसे सुरक्षित इमारत यानी वाइट हाउस के अंदर होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने बॉलरूम निर्माण के खिलाफ दायर मुकदमों की भी निंदा की है। उन्होंने इन्हें ‘हास्यास्पद’ बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की। तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ‘कुत्ता घुमाने वाली एक महिला’ द्वारा दायर याचिका में कोई आधार नहीं है और किसी भी चीज को इस जरूरी निर्माण कार्य में बाधा नहीं बनने दी जानी चाहिए। इस दौरान ट्रंप ने यह भी जानकारी दी कि बॉलरूम का निर्माण कार्य तय बजट के भीतर है और समय-सीमा से काफी आगे चल रहा है। उन्होंने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए कहा कि मौजूदा होटलों या बाहरी आयोजन स्थलों में ऊपरी मंजिलों पर असुरक्षित लोग रहते हैं, जो सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं, जबकि नया बॉलरूम इन सभी जोखिमों से पूरी तरह मुक्त होगा।

छत्रपति शिवाजी को लेकर बागेश्वर बाबा की विवादित टिप्पणी, फूटा रितेश देशमुख का गुस्सा; ‘कोई आकर हमारे देवता...’

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख ने 26 अप्रैल को अपने एक्स अकाउंट पर बिना किसी का नाम लिए उस विवाद को संबोधित किया जो धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर बाबा) की शिवाजी महाराज की विरासत को लेकर कुछ टिप्पणियों के बाद खड़ा हुआ था। हाल ही में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक कार्यक्रम में कहानी सुनाई थी। उस कहानी के मुताबिक, शिवाजी महाराज ने अपना मुकुट उतारकर संत रामदास को सौंप दिया था। अब रितेश ने इन बातों को मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि ये अस्वीकार्य और गुस्सा दिलाने वाला है।

अपने एक्स अकाउंट से रितेश देशमुख ने मराठी भाषा में पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- जब कोई आकर हमारे देवता के बारे में विकृत और बेतुकी बातें फैलाता है, तो एक शिव प्रेमी और शिव भक्त के रूप में ये बेहद अस्वीकार्य और गुस्सा दिलाने वाला होता है। उन्हें सीमित करने के ऐसे व्यर्थ प्रयास समय के साथ लुप्त हो जाएंगे। जिस प्रकार सह्याद्री पर्वतमाला लाखों वर्ष पहले अस्तित्व में थी, उसी प्रकार ‘वह’ नाम आने वाले लाखों वर्षों तक बना रहेगा। और वह नाम है...प्रौढ प्रताप पुरंदर... क्षत्रियकुलावतंस ... सिंहासनाधीश्वर... महाराज धिराज... धनी राजा शिव छत्रपति महाराज।‘

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की किस टिप्पणी पर हुआ बवाल?

नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था, ‘छत्रपति शिवाजी महाराज युद्ध लड़ते-लड़ते थक गए थे और उन्होंने अपना मुकुट उतारकर संत रामदास को सौंप दिया था।’ धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान के बाद कई लोगों ने नाराजगी जताई। लोगों ने रितेश देशमुख के पोस्ट पर कमेंट करते हुए भी धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर नाराजगी जताई।

क्या बोले सोशल मीडिया यूजर्स?

रितेश देशमुख के पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा- धीरेंद्र शास्त्री ने जो भी कहा वो बकवास है और उसके खिलाफ बोलना काफी जरूरी है। एक दूसरे यूजर ने लिखा- दुख की बात है कि धीरेंद्र शास्त्री को लोग सुनते हैं और उनकी इस तरह की बातों को बढ़ावा देते हैं। एक ने लिखा- रितेश अभी आप फिल्म कर रहे हैं, इसलिए आपने शिवाजी महाराज के खिलाफ बोली बातों पर आवाज उठाई। काश आप हमेशा ही ऐसा करते।

कब रिलीज हो रही है रितेश देशमुख की फिल्म?

रितेश देशमुख की बात करें, तो वो जल्द ही फिल्म ‘राजा शिवाजी’ में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। ये फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रितेश देशमुख की पत्नी जेनेलिया डिसूजा भी नजर आएंगी। फिल्म में एक्टिंग के साथ-साथ रितेश ने फिल्म को डायरेक्ट भी किया है।

हाफिज सईद के करीबी का पाकिस्तान में काम तमाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर से ‘अननोन गनमैन’ का ऐक्शन देखने को मिला है। इस बार निशाना आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शेख यूसुफ अफरीदी बना है। अफरीदी को लश्कर प्रमुक हाफिर सईद का सबसे खास आदमी माना जाता है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा में हमलावरों ने अफरीदी के ऊपर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसकी वजह से उसकी तत्काल ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पाकिस्तान पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शेख यूसुफ अफरीदी लंबे समय से लश्कर का प्रमुख गुर्गा रहा है। यह खैबर पख्तूनख्वा से मुजाहिद तैयार करने का काम करता था। यहां से इन्हें कश्मीर और अन्य जगह भेजा जाता था।

डोनाल्ड ट्रंप के नरक वाले पोस्ट पर शशि थरूर का पलटवार

कहा- मैं भारत सरकार की जगह होता तो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत को नरक का द्वार बताने वाली सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पलटवार किया है। थरूर ने Francewy से कहा, ‘भारत को ट्रंप की सोशल मीडिया पोस्ट जैसी छोटी सी बात पर इतना ज्यादा भड़कना नहीं चाहिए। यह हमारी कूटनीति के तरीके के लायक नहीं है। अगर मैं भारत सरकार की जगह होता, तो मैं इसे पूरी तरह से इग्नोर कर देता।‘

ये टिप्पणियां तब आईं, जब ट्रंप ने माइकल सैवेज द्वारा होस्ट किए गए एक कंजर्वेटिव पॉलिटिकल टॉक शो की ट्रांसक्रिप्ट शेयर की थी। इस चर्चा में भारत, चीन और दूसरे देशों को ‘नरक जैसी जगह’ बताया गया था। साथ ही यह भी दावा किया गया था कि प्रवासी लोग अपने बच्चों के लिए नागरिकता हासिल करने के मकसद से, प्रेग्नेंसी के आखिरी दिनों में अमेरिका आते हैं।

कहा गया था ‘ ’यहां पैदा होने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है, और फिर वे चीन, भारत या दुनिया के किसी और नरक जैसी जगह से पूरे परिवार को यहां ले आते हैं। यह देखने के लिए आपको ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है। यहां अब अंग्रेजी नहीं बोली जाती। आज जो प्रवासी वर्ग यहां आ रहा है, उनमें इस देश के प्रति लगभग कोई वफादारी नहीं है। हालांकि हमेशा ऐसा नहीं था।’’

हॉस्टल में घुसकर एमबीए छात्रा का रेप

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। 67 वर्षीय दीपक प्रधान नामक व्यक्ति ने गंगापाड़ा इलाके में स्थित महिला छात्रावास में घुसकर एमबीए छात्रा के साथ बलात्कार किया। आरोपी उसी हॉस्टल के बगल में किराना दुकान चलाता है। पीड़िता छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रहने वाली है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद पीड़ित छात्रा ने इंफो वैली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा और पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस घटना ने पूरे इलाके में आक्रोश फैला दिया है। हॉस्टल महिला छात्राओं के लिए सुरक्षित माना जाता था, लेकिन आरोपी बाहर का व्यक्ति होने के बावजूद अंदर घुसने में सफल रहा।

सम्राट सरकार में प्रशासनिक फेरबदल शुरू, 4 आईएएस का ट्रांसफर

पटना (एजेंसी)। बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली बार प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। राज्य के 4 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। इन वरीय अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गयी है। शैलेन्द्र कुमार को लखीसराय का डीएम बनाया गया है तो लंबे समय से लोकभवन(राजभवन) में सेवा दे रहे रॉबर्ट एल चोंग्थू को वहां से हटाकर दूसरी जिम्मेदारी में भेज दिया गया है। इनके अलावे मोहम्मद सोहैल, और गोपाल मीणा का भी ट्रांसफर हुआ है।

जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक 1997 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रॉबर्ट एल. चोंग्थू, जो अभी तक राज्यपाल के प्रधान सचिव के रूप में काम कर रहे थे, अब उन्हें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। वे अगले आदेश तक इस पद पर काम करते रहेंगे। इसके साथ, 2007 बैच के ही आईएएस अधिकारी गोपाल मीणा को राज्यपाल का प्रधान सचिव बनाया गया है। गोपाल मीणा अभी तक राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में सचिव थे। अब वे राज्यपाल का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। यानी वे दोनों जिम्मेदारियां संभालेंगे।

2007 बैच के ही अधिकारी मोहम्मद सोहैल को भी नई जिम्मेदारी मिली है। वे पहले अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में सचिव थे, लेकिन अब उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग का सचिव बनाया गया है। इसके अलावा वे पहले की तरह ही सामान्य प्रशासन विभाग में जांच आयुक्त का अतिरिक्त काम भी करते रहेंगे। इसके साथ-साथ 2013 बैच के आईएएस अधिकारी शैलेन्द्र को लखीसराय जिले का नया जिलाधिकारी (डीएम) और समाहर्ता बनाया गया है। साथ ही उन्हें जिले के जिला दंडाधिकारी की जिम्मेदारी भी दी गई है। सरकार के इस फैसले को प्रशासनिक कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। सम्राट चौधरी सरकार के द्वारा पहली बार प्रशासनिक फेरबदल किया गया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सुपर ओवर में लखनऊ को धोया, मिली दूसरी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को आईपीएल 2026 के 38वें मुकाबले में सुपर ओवर में हराया। कोलकाता की टीम ने रिंकू सिंह की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने भी 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 155 रन बनाए। लखनऊ के लिए कप्तान ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। कोलकाता की ओर से वैभव और वरुण ने 2-2 विकेट लिए। लखनऊ को आखिरी ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। कार्तिक त्यागी ने दो नो बॉल डाले, जिसके बाद अंतिम गेंद पर मोहम्मद शमी ने छक्का लगाकर मैच टाई करवाया। लखनऊ की टीम सुपर ओवर में एक रन ही बना सकी। जिसके बाद कोलकाता ने पहली ही गेंद पर चौका

लगाकर मैच अपने नाम किया। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की ये छठवीं हार है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स को दूसरी जीत मिली है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से एडन मार्करम और निकोलस पूरन बल्लेबाजी के लिए उतरे। वरुण चक्रवर्ती ने कोलकाता के लिए सुपर ओवर डाला। पहली ही गेंद पर पूरन क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद पंत ने दूसरी गेंद पर एक रन बनाया। तीसरी गेंद पर मार्करम कैच आउट हो गए। कोलकाता को जीत के लिए सिर्फ दो रन चाहिए था। कोलकाता के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। प्रिंस यादव ने लखनऊ के लिए ओवर डाला। मैच में पांच विकेट लेने वाले मोहसिन खान लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए सुपर ओवर में गेंदबाजी नहीं कर पाए क्योंकि उन्हें सब आउट किया जा चुका था।

156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत खराब रही। टीम के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श दो रन ही बना सके। इसके बाद एडन मार्करम और ऋषभ पंत के बीच दूसरे विकेट के लिए 55 गेंद में 57 रन की साझेदारी हुई। कप्तान ऋष पंत ने कैमरन ग्रीन पर छक्के से शुरुआत की और फिर सुनील नरेन पर भी चौका जड़ा। सलामी बल्लेबाज मार्करम ने भी अनुकूल रॉय और अरोड़ा पर चौके मारे। सुपर जाइंट्स ने पावर प्ले में एक विकेट पर 37 रन बनाए। मार्करम ने वरुण चक्रवर्ती पर छक्के के साथ नौवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया।

सम्राट कैबिनेट का विस्तार कब होगा? डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने दिया यह जवाब, निशांत पर भी बोले

पटना (संवाददाता)। 15 अप्रैल को बिहार बड़े बदलाव का गवाह बना। 20 सालों से राज करने वाला नीतीश कुमार पूर्व सीएम हो गए बीजेपी की लीडरशीप में पहली बार बिहार में सरकार बनी। नीतीश के साथ डिप्टी की भूमिका वाले सम्राट बिहार के चौधरी बन गए। उनके साथ जदयू नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मात्र तीन मंत्रियों के सहारे चल रही बिहार सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार पर सबकी नजरें टिकी हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने रविवार को कहा कि राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होगा। रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में भामा शाह जयंती समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें नीतीश कुमार ने शिरकत की। सीएम पद छोड़ने के बाद वह पहली बार जदयू दफ्तर गए। कार्यक्रम में पहुंचे डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने मीडिया से बातचीत के दौरान सरकार के भविष्य पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जल्द ही कैबिनेट का विस्तार होगा पर, उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार की कोई तारीख नहीं बताई।

वर्तमान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा दो उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव मंत्रिमंडल में शामिल हैं। राज्य सरकार के सभी विभागों की जिम्मेदारी इनके ऊपर ही है। एनडीए के घटक दलों के नेताओं को भी मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार है। बिहार की जनता भी सरकार के स्वरूप और मंत्रिमंडल में किन किन नेताओं को शामिल किया जाता है यह जानने को बेकरार है। नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में जिन नेताओं को मंत्री पद मिला था वे अधिक उत्सुक हैं।

उधर पत्रकारों के एक सवाल पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि निशांत कुमार पार्टी के सर्वमान्य नेता हैं। पार्टी के सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं की यह इच्छा है कि निशांत कुमार पार्टी में और आधिक सक्रिय भूमिका में आएं। वहीं, बंगाल की चुनावी सभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान पर विजय चौधरी ने कहा कि उनसे क्या उम्मीद थी कि वे कहीं जाकर बदल जाएं। हमें तो उनसे कोई उम्मीद नहीं है।

बिहार सीएम पद छोड़ने के बाद नीतीश कुमार की गतिविधि कुछ कम हो गई है तो निशांत कुमार काफी एक्टिव हो गए हैं। रविवार को निशांत कुमार भी भामा शाह जयंती के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में निशांत कुमार ने खुलकर मंच का उपयोग किया। कभी मीडिया के सवालों को टाल जाने वाले निशांत कुमार इन दिनों हर सवाल का जवाब दे रहे हैं। आगामी चार मई से वे बिहार की यात्रा पर निकलने वाले हैं जिसकी शुरुआत महात्मा गांधी की कर्म भूमि चंपारण से करेंगे। निशांत कुमार जिलों में जाकर पार्टी संगठन के नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

5 पिस्टल, 2 कट्टा, गोलियां और लाखों कैश

सुपौल में इंटरस्टेट गिरोह के 10 आर्म्स स्मगलर गिरफ्तार

सुपौल (संवाददाता)।

बिहार के सुपौल में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ सुपौल पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इंटर स्टेट तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसपी शरथ आरएस के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में चार अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर 10 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान पिस्टल, देशी कट्टा, अर्द्धनिर्मित हथियार, कारतूस, वाहन और लाखों रुपये की नकदी बरामद हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई से जिले में सक्रिय हथियार तस्करी के नेटवर्क में हड़कंप मच गया है। यह नेटवर्क बिहार के अलावे पड़ोसी राज्यों तक फैला है।

एसपी के अनुसार 14 अप्रैल को किशनपुर थाना क्षेत्र के तुलापट्टी वार्ड-02 में छापेमारी कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक पिस्टल, मैगजीन, जिंदा कारतूस के अलावा एक चारपहिया वाहन और चार मोटरसाइकिल जब्त की गई। शुरुआती जांच में यह गिरोह हथियारों की सप्लाई के लिए जिले के विभिन्न इलाकों में सक्रिय पाया गया। इसके बाद 19 अप्रैल को सदर थाना क्षेत्र में डिग्री कॉलेज के समीप एक मकान पर छापेमारी की गई, जहां से तीन पिस्टल, छह मैगजीन, दो मोबाइल फोन और 2.08 लाख रुपये नकद के साथ एक अंतरजिला तस्कर को दबोचा गया। पुलिस को आशंका है कि यह आरोपी गिरोह का अहम कड़ी था, जो अन्य जिलों से हथियार लाकर यहां सप्लाई करता था।

उसी दिन पिपरा थाना क्षेत्र के दीनापट्टी वार्ड-14 में कार्रवाई करते हुए तीन अन्य तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक पिस्टल, तीन मैगजीन, चार जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद हुआ। वहीं 24 अप्रैल को राघोपुर थाना क्षेत्र के हुलास नहर पुल के पास से दो तस्करों को पकड़ा गया।

मौके से एक देशी कट्टा, दो जिंदा गोली, पांच अर्द्धनिर्मित पिस्टल, एक बाइक और दो मोबाइल बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सुपौल समेत सहरसा, मधेपुरा, मधुबनी सहित आसपास के इलाकों में हथियारों की आपूर्ति करता था। बरामद अर्द्धनिर्मित हथियार इस बात की ओर इशारा करते हैं कि गिरोह का कनेक्शन हथियार निर्माण से भी जुड़ा हो सकता है। पुलिस अब बरामद हथियारों के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगाल रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

गिरफ्तार आरोपितों में भागलपुर निवासी अरविंद यादव का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिस पर पहले से आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस अन्य आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। एसपी के मुताबिक गिरोह के सदस्य भागलपुर और खगड़िया से गिरोह को ऑपरेट करता था। हथियार की डिमांड होते ही भागलपुर, खगड़िया और मुंगेर से हथियार की आपूर्ति करता था। एसपी ने दावा किया कि पुलिस को इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी मिली है जिसके आधार पर जिले से और भी हथियार के बरामदगी होने की उम्मीद है। एसपी ने कहा कि जिले में अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा और किसी भी सूरत में तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा।

ये सभी चढ़े पुलिस के हत्थे

जिले के करजाईन थाना क्षेत्र के फकीरना का रूपम कुमार, राघोपुर थाना क्षेत्र के चिकनापट्टी का प्रभाष कुमार, सिमराही का हर्ष कुमार, लक्ष्मीपुर का विकास कुमार, भागलपुर जिले के भवानीपुर थाना के नायरायणपुर का अरविंद यादव, पिपरा थाना क्षेत्र के दीनापट्टी का उपेन्द्र मंडल, जोल्हनियां का मुकेश कुमार, कटैया का मनीष कुमार, राघोपुर थाना के हरिपुर का शाहसाह, राघोपुर के हुलास चकला वार्ड 12 का मो. क्यामुल शामिल है।

बच्चे की मौत के बाद कत्ल

बाइक सवार को भीड़ ने पोल में बांध पीट-पीटकर मार डाला

कटिहार (संवाददाता)। बिहार के कटिहार में बारसोई प्रखंड के रहमानपुर गांव में एक दर्दनाक हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। रविवार की रात करीब 8 बजे एक बाइक की चपेट में आने से 15 वर्षीय मोहम्मद खुसरो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने कानून हाथ में लेते हुए बाइक चालक मोहम्मद सकरुद्दीन (40) को पकड़ लिया और पीट-पीटकर मार दिया। पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया।

स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बाइक से मोहम्मद खुसरो को धक्का लग गया। वह गिरकर बेहोश हो गया। बच्चे को बेहोश देखकर सकरुद्दीन भागने लगा। इस पर आक्रोशित लोगों ने बाइक चालक को खदेड़कर पकड़ लिया। लप्पर थप्पड़ के बाद उसे बिजली के खंभे से बांध दिया गया। इसके बाद आक्रोशित भीड़ ने लाठी-डंडे से उसे इतना पीटा की खून से वह लहुलुहान हो गया। भीड़ से वह गिड़गिड़ाकर माफी मांगता रहा। मगर भीड़ ने एक नहीं सुनी। उसे तब तक नहीं छोड़ा गया जब तक उसकी मौत नहीं हो गयी। इस वारदात के दोनों मृतक एक ही गांव के थे। दोनों पक्षों के बीच काफी तनाव है। बड़ी संख्या में लोग गांव छोड़कर निकल गए हैं। उनके परिजन रिश्तेदारी में जाने की बात बता रहे हैं।

सूचना मिलते ही सुधानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार भी दलबल के साथ

घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। स्थानीय जनप्रतिनिधि ख्वाजा शाहिद ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस और जन प्रतिनिधियों ने मिलकर इलाके में शांति बहाल कराया।

एसडीपीओ अजय कुमार ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे और स्थानीय लोगों से पूछताछ जारी है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इधर, मृतक बच्चे के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं चालक के परिवार में भी मातम पसरा है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है, जिसे देखते हुए बारसोई एसडीपीओ अजय कुमार के नेतृत्व में पांच से अधिक थानों के थानाध्यक्ष करीब एक सौ से अधिक पुलिस फोर्स सतर्क है। पुलिस दोनों पक्षों के लोगों पर निगरानी रख रही है।

पुलिस वर्दी के नियम सख्त; सेविंग, मेकअप, छाता, जूलरी पर नया गाइडलाइन- सिगरेट, पान पर पाबंदी

पटना (संवाददाता)। बिहार पुलिस मुख्यालय ने राज्य के तमाम पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों को पुलिस मैनुअल में निर्धारित वेशभूषा के अनुपालन का निर्देश दिया है। मुख्यालय ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि पुलिस अनुशासन एवं वर्दी की गरिमा बनाये रखने को लेकर बिहार पुलिस मैनुअल में विस्तृत नियम का उल्लेख है। इसके तहत वर्दी के ऊपर कोई आभूषण, चेन आदि धारण नहीं करना है। केश छोटे रखे जायेंगे। जो कर्मी दाढ़ी बनाते हैं, वे बिना दाढ़ी बनाए वर्दी धारण नहीं करेंगे।

किसी भी वर्दीधारी या कर्मी को किसी तरह का जाति चिह्न धारण करने या चेहरे पर कोई लेप आदि लगाने की अनुमति नहीं दी जायेगी। कर्तव्य पर सभी पदाधिकारी व कर्मी वर्दी धारण करेंगे, बशर्ते किसी विशेष प्रयोजन से कोई अधिकारी अन्यथा आदेश न दे।

सीआईडी व स्पेशल ब्रांच से संलग्न कर्मी विशेष आदेश के बिना वर्दी पहन कर नहीं जा सकते। सार्वजनिक स्थानों में वर्दी पहन कर कर्तव्य करते समय धूम्रपान करना या पान खाना आदि मना है। पुलिसकर्मी किसी भी समय आधी वर्दी या आधा सादा कपड़ा पहन कर नहीं निकलेंगे। यातायात नियंत्रण में लगे अधिकारी व कर्मी वर्दी में रहने के समय न छाता लगायेंगे और न लेकर चलेंगे। मुख्यालय ने बयान जारी कर कहा कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वर्दी धारण को लेकर नया नियम या निर्देश जारी किए जाने की खबर फैलाई जा रही है। यह बिलकुल सत्य नहीं है। पुलिस मुख्यालय ने मैनुअल के आधार पर ही इसके अनुपालन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया है।

त्योहार पर मची चीखपुकार

गंडक में 1 किशोरी समेत 3 डूबे, 2 लड़कों की मौत पर पसरा मातम

वैशाली (संवाददाता)। बिहार के वैशाली जिले में दो अलग-अलग जगहों पर एक किशोरी और दो किशोर डूब गए। गंगा और गंडक नदी में हुए हादसे में एक किशोर का शव एसडीआरएफ की मदद से बरामद कर लिया गया, जबकि दो की तलाश जारी है। हाजीपुर तंगौल घाट पर एक किशोर अभी लापता है। वहीं दूसरी ओर बिदुपुर में मां के साथ गंगा स्नान के लिए पहुंची किशोरी भी डूब गई, जिसकी तलाश चल रही है। अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन बंद कर दिया गया, जो सोमवार को दोबारा शुरू होगा।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि नगर थाना क्षेत्र के तंगौल घाट पर गंडक नदी में स्नान करने के दौरान रविवार की सुबह करीब 10:00 बजे दो किशोर डूब गए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम को दी। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम की मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद गंडक नदी से दोनों शव को खोज कर बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। मृत किशोर नगर थाना के बागमली निवासी अजय राय के 12 वर्षीय पुत्र रवि कुमार एवं मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थाना के धरमुहा गांव निवासी वर्तमान पता कृष्णपुरी बागमली निवासी राणा सिंह का 11 वर्षीय पुत्र अंश कुमार उर्फ भोला था। दोनों किशोर के मरने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर हाल-बेहाल बना हुआ है।

बताया गया कि भोला अपने घर से साइकिल पर गेहूं पिसवाने के लिए निकला था, जबकि रवि कुमार क्रिकेट खेलने की बात कहकर घर से निकला था। स्नान कर रही प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया कि एक साइकिल से दोनों घाट किनारे पहुंचे। उनके चप्पल भी मौके से बरामद किए गए हैं। डूबी हुई किशोरी की तलाश जारी है। रविवार को अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन बंद करना पड़ा जिसे सोमवार को फिर शुरू किया जाएगा।

उधर, बिदुपुर थाने के रामदौली ब्रह्मस्थान घाट पर रविवार की सुबह मां के साथ गंगास्नान करने गई 14 वर्षीय किशोरी डूब गई। डूबने की सूचना पर पहुंची बिदुपुर थाने की पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से शव की काफी खोज की, लेकिन आलिया कुमारी उर्फ परी का पता नहीं चला। वह थाने के नया टोला जहांगीरपुर के अरविंद कुमार सिंह की पुत्री बताई गई है।

प्रेमी ने थाने में काटी कलाई की नस, नशीली गोलियां खाई

सासाराम (संवाददाता)। बिहार के सासाराम में एक प्रेमी युवक ने थाने में आत्महत्या की कोशिश की। शिवसागर पुलिस की गिरफ्त में अपहरण के आरोपित ने हाथ की नस काटकर नशीली दवाइयां खा ली। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया। पुलिस ने उसे तत्काल सदर अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। आरोपित नोखा थाना क्षेत्र के मेयारी बाजार का 19 वर्षीय अंकित गुप्ता है। वह प्रेम प्रसंग में एक नाबालिग लड़की को लेकर फरार हो गया था।

बताया जाता है कि जनवरी 2026 में शिवसागर थाना क्षेत्र के एक गांव में मौसी के घर आई किशोरी को आरोपित ने प्रेम-जाल में फंसाने के बाद अगवा कर लिया। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित नोखा थाने के बलिगांवा गांव की एक दुकान पर बैठा है। इसके बाद पुलिस ने आरोपित को दबोच लिया। पुलिस उसे लेकर शिवसागर थाने में पहुंची। इसी बीच मौका पाकर उसने ब्लेड से हाथ की नस काट ली। साथ ही नशीली दवाइयां खा ली। इस मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सासाराम-1 दिलीप कुमार ने बताया कि किशोरी झारखंड के गढ़वा में रहकर पढ़ती थी। वह परीक्षा देने शिवसागर थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदार के यहां आयी थी। तभी आरोपित ने बहला-फुसलाकर अगवा किया था।

बस्तर सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर : गांवों तक बिजली पहुँचने से अंधकार और भय कम हुआ जीवन में आई रोशनी

रायपुर।

गांवों तक बिजली पहुँचने से अंधकार और भय कम हुआ जीवन में आई रोशनी नक्सल समस्या के दूर होने के साथ बस्तर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल रहा है। पहली बार दूरस्थ गांवों गांवों तक बिजली पहुँचने से अंधकार और भय कम हुआ जीवन में आई रोशनी तक बिजली पहुँचने से अंधकार और भय कम हुआ है, जीवन स्तर में सुधार आया है और विकास को नई गति मिली है, जो बस्तर के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर संकेत करता है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिला का अबूझमाड़ क्षेत्र का ग्राम ईरपानार दशकों के अंधेरे के बाद पहली बार बिजली की रौशनी से जगमगा उठा है। यह विकास राज्य सरकार की नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत संभव हुआ है, जिसका उद्देश्य बस्तर के दूरस्थ और संवेदनशील इलाकों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। बिजली आने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। अब वे मोबाइल चार्ज कर सकेंगे, पंखे चला सकेंगे और रात के समय सांप-बिच्छू के डर से मुक्त होकर सुरक्षित महसूस करेंगे।

कभी नक्शे पर नाम भर रह गया ईरपानार आज उम्मीदों की नई पहचान बन गया है। अबूझमाड़ के गहरे जंगलों, ऊंचे पहाड़ों और दुर्गम पगडंडियों के बीच बसे इस छोटे से गांव में पहली बार बिजली पहुँची है। वर्षों तक अंधेरे में जीवन गुजारने वाले ग्रामीणों के घरों में जब पहली बार बल्ब जले, तो गांव ने सिर्फ उजाला नहीं देखा, बल्कि विकास को महसूस किया। ईरपानार के अलावा, बस्तर संभाग के अन्य नक्सल प्रभावित इलाकों जैसे बीजापुर के चिल्कापल्ली (जनवरी 2025) और तेमिनार (मार्च 2025) में भी पिछले कुछ समय में बिजली पहुंची है, जो विकास के नए अध्याय की शुरुआत है। इन क्षेत्रों में शिनयद नेल्ला नारश् (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत तेजी से बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

ईरपानार नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी स्थित है, लेकिन यह दूरी सामान्य रास्ते जैसी नहीं है। यहां तक पहुंचने के लिए कच्चे मार्ग, पहाड़ी चढ़ाई, घने वन क्षेत्र और कई स्थानों पर पैदल सफर करना पड़ता है। बरसात के मौसम में संपर्क और भी कठिन हो जाता है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, नारायणपुर संभाग ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया। कार्यपालन अभियंता सहित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद मिशन मोड में काम कर सफलता हासिल की।

गांवों तक बिजली पहुँचने से अंधकार और भय कम हुआ जीवन में आई रोशनी : कलेक्टर नाराणपुर ने बताया कि ईरपानार तक बिजली पहुंचाना सामान्य तकनीकी कार्य नहीं था। कई हिस्सों में बिजली खंभे, तार और सामग्री पहुंचाने के लिए कठिन श्रम करना पड़ा। टीम को ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों, जंगलों और सीमित संसाधनों के बीच काम करना पड़ा। कई स्थानों पर मशीनों की बजाय मानव श्रम और स्थानीय सहयोग से सामग्री पहुंचाई गई। बिजली लाइन विस्तार, पोल स्थापना और कनेक्शन कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा कर विभागीय टीम ने मिसाल पेश की है।

ग्राम ईरपानार के विद्युतीकरण कार्य पर कुल 56.11 लाख रूपए की लागत आई। इस परियोजना के तहत गांव के परिवारों को पहली बार विद्युत कनेक्शन प्रदान किया गया एवं उस सोच का प्रतीक है जिसमें अंतिम छोर पर बसे परिवार को भी विकास का समान अधिकार दिया जा रहा है।

बिजली आने से अब गांव के बच्चों को रात में पढ़ाई के लिए रोशनी मिलेगी। मोबाइल चार्जिंग जैसी सामान्य सुविधा, जो शहरों में सहज है, अब यहां भी उपलब्ध होगी। पंखे, लाइट और छोटे घरेलू उपकरणों से जीवन आसान होगा। भविष्य में डिजिटल शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, संचार सुविधाओं और छोटे व्यवसायों के अवसर भी विकसित हो सकते हैं।

जब पहली बार गांव में बल्ब जले, तो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर चेहरे पर उत्साह दिखाई दिया। कई ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने अपने घरों में पहली बार स्थायी रोशनी देखी है। वर्षों से लालटेन, लकड़ी और सीमित साधनों पर निर्भर जीवन अब बदलने लगा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और बिजली विभाग की टीम के प्रति आभार जताया। लोगों ने इसे गांव के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। ईरपानार के अबुझमाड़ के ही हांदावाड़ा गांव में भी हाल के महीनों में पहली बार बिजली पहुंची है, जो बस्तर में एक नए अध्याय की शुरुआत है। ईरपानार जैसे अन्य दूरस्थ गांवों को भी प्राथमिकता के आधार पर बिजली, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है।

नक्सलमुक्त बस्तर में अब हो रहे हैं तेजी से निर्माण कार्य

रायपुर। नक्सलमुक्त आबूझमाड़ क्षेत्र में अब निर्माण कार्य तेजी से किये जा रहें। क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, ओवरहेड टैंक, लघु सिंचाई योजना सहित अन्य अधोसंरचनाओं के कार्यो ने जोर पकड़ लिया है पिछले दिनों नक्सलमुक्त आबूझमाड़ में सीटीई की टीम ने विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

टीम ने नारायणपुर के हरिमार्कटोला, सड़क का निरीक्षण किया। टीम ने देखा कि निर्मित सड़कों मोटाई और चौड़ाई को सही मानक स्तर की है, इसी तरह ग्राम ओरछा ब्लाक में निर्मित शेड की निरीक्षण किया गया । जिले के ग्राम पालकी में निर्मित ओवरहेड टैंक की टीम ने निरीक्षण किया। इसी तरह से जल निर्माण संसाधन विभाग के अंतर्गत बैनूर रिजर्वायरके नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। टीम ने उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी ली एवं अधिकारियों को जरूरी मार्गदर्शन भी दिया। नक्सलमुक्त बस्तर में अब विभिन्न निर्माण कार्यों के निरीक्षण करने जांच एजेन्सीयों के दल आसानी से पहुंच रहे हैं। तकनीकी टीमों द्वारा निर्माण कार्यों को कराने स्थानिय अधिकारियों को उचित मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है, जिससे अब अबूझमाड़ में निर्माण कार्य तेजी से किए जाने लगे हैं।

भीषण गर्मी में राशन वितरण, व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

रायपुर।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों ने आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कहा है कि राशन दुकानों के संचालन समय में शिथिलता रखते हुए सुबह एवं शाम के समय वितरण को प्राथमिकता दिया जाए , ताकि उपभोक्ताओं को तेज धूप में परेशानी न हो। साथ ही दुकानों में पेयजल, छाया एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए हैं ।

खाद्य विभाग द्वारा यह भी जानकारी दी गई है कि राशन वितरण पूरी तरह सुचारू रूप से जारी है और किसी प्रकार की बाधा नहीं है। कुछ स्थानों पर आई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि वे मैदानी स्तर पर सतत निगरानी बनाए रखें तथा हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। राज्य सरकार ने आम जनता से अपील की है कि वे भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री साय से जापान के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात: निवेश, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उद्योगोन्मुखी और निवेश प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीकी दृष्टि से अग्रणी देश है और वहां की उन्नत विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के निवेश और सहयोग से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार हुआ है, जिससे उद्योगों के विस्तार के लिए बेहतर संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की। इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, एफसेनल के डायरेक्टर श्री युकीहिरो मोमोसे, कोनोइके ट्रांसपोर्ट के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री तोशीहीरो फूजीवारा, एफएसएनएल के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सुनील कुमार दीक्षित तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व सीएमडी श्री के. डी. दीवान उपस्थित थे।

विशेष ग्राम सभा में ग्रामवासियों को जनगणना के सम्बन्ध किया जा रहा है जागरुक

छत्तीसगढ़ राज्य में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 01 मई से 30 मई 2026 तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में 24 अप्रैल 2026 को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को आगामी जनगणना 2027 और स्व-गणना प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य डिजिटल माध्यम से सही जानकारी भरने, मकान सूचीकरण, और जनगणना प्रगणकों को सहयोग देने के लिए प्रेरित करना है। ग्रामीणों को मोबाइल फोन के माध्यम से जनगणना पोर्टल पर स्वयं की जानकारी ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया समझाई जा रही है। तहसीलदार और ग्राम प्रभारी अधिकारियों द्वारा ग्राम सभा में जनगणना पोर्टल का लाइव प्रदर्शन किया जा रहा है, जिससे लोग सही जानकारी दर्ज कर सकें। जनगणना के सही आंकड़ों से भविष्य की विकास योजनाओं, संसाधन वितरण और प्रशासनिक निर्णयों को बेहतर बनाना है।

ग्राम पंचायत देवदा तहसील मंदिर हसौद में, ग्राम पंचायत नाहरडीह में पंचायती राज दिवस, ग्राम पंचायत निमोरा,ग्राम पंचायत खमतराई तहसील आरंग में आयोजित ग्राम सभाओं में ग्रामीणों को जनगणना से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की जानकारी दी गई है। इसके अलावा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान सहजता से किया गया है। ग्राम सभा के दौरान जनगणना की प्रक्रिया, इसकी गोपनीयता, तथा सही जानकारी उपलब्ध कराने के महत्व पर विशेष जोर दिया जाएगा। अधिकारियों द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है। जनगणना में दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। बैठक में सरपंच उप-सरपंच, पंचायत सचिव सहित जनप्रतिनिधिगण और ग्राम वासी उपस्थित रहे।

भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में 01 मई से 30 मई 2026 तक 30 दिनों की अवधि मे संचालित किया जाएगा। यह चरण जनगणना प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है, जिसके माध्यम से प्रत्येक आवासीय एवं गैर-आवासीय भवन, मकान की स्थिति, उपयोग एवं उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्रित की जाएगी।

डिजिटल इंडिया के अंतर्गत इस बार आम जनता की सुविधा के लिए स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। इच्छुक नागरिक 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 के मध्य निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना करने वाले परिवारों को एक स्व-गणना आईडी प्रदान की जाएगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक होगा तथा प्रगणक के आने पर प्रगणकों को देना होगा। इस चरण के अंतर्गत निम्नलिखित बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित की जाएगी- प्रत्येक भवन एवं मकान की संख्या, स्थिति एवं प्रकार, मकान का उपयोग, (आवासीय/ व्यावसायिक/ अन्य), निर्माण की प्रकृति (कच्चा/पक्का/अर्ध-पक्का), परिवारों की संख्या एवं उनके आवासीय विवरण, उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं, जैसे- पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की सुविधा, विद्युत कनेक्शन, रसोई गैस/ईंधन का प्रकार, इंटरनेट/संचार सुविधाएं यह जानकारी देश की सामाजिक-आर्थिक योजनाओं, शहरी एवं ग्रामीण विकास, आवास योजनाओं, जल एवं स्वच्छता कार्यक्रमों तथा बुनियादी ढांचे के विकास हेतु अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

प्रगणक निर्धारित अवधि के दौरान प्रत्येक घर पर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रगणक अधिकृत पहचान पत्र के साथ जाएंगे, जिसकी पुष्टि नागरिकों द्वारा की जा सकती है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे प्रगणको को सही एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करें। स्व-गणना कर चुके परिवारों को अपनी प्रगणक को बतानी होगी। जनगणना देश की सबसे व्यापक प्रशासनिक प्रक्रिया है, जो सरकार को जनसंख्या, आवास एवं बुनियादी सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आंकलन करने में सहायता प्रदान करती है। इससे प्राप्त आंकड़ों के आधार पर भविष्य की योजनाएं अधिक प्रभावी एवं समावेशी बनाई जाती हैं।

अवैध खनन गतिविधियों पर सरकार सख्त, केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता दल का निरीक्षण अभियान तेज

केंद्रीय उड़नदस्ता और जिला स्तरीय टीम की संयुक्त कार्यवाही में 02 चैन माउंटेन व 02 एक्सकेवेटर मशीनें जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और इससे प्राप्त राजस्व का प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता है कि इन संसाधनों का उपयोग पारदर्शिता और नियमों के तहत हो, ताकि प्रदेश को किसी प्रकार की आर्थिक क्षति न हो। इसी उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। समय-समय पर समीक्षा कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

इसी क्रम में संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म, इंद्रावती भवन, नया रायपुर के केन्द्रीय खनिज उड़नदस्ता दल और जिला स्तरीय संयुक्त जांच टीम ने संचालक खनिज के निर्देश पर 24 एवं 25 अप्रैल की रात और सुबह आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया। जिला सक्ती और जांजगीर-चांपा के विभिन्न स्वीकृत रेत खदानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान सक्ती जिले की घुरघट्टी, डोटमा, मरघट्टी, मिरौनी, सकराली, किकिरदा, देवरीमठ और करही खदानों में उत्खनन व परिवहन कार्य बंद पाया गया, जिससे नियमों के पालन की पुष्टि हुई। लेकिन जांजगीर-चांपा जिले में मध्य रात्रि के समय निरीक्षण के दौरान हसदेव नदी के पास हथनेवरा घाट क्षेत्र में अवैध रूप से मशीनों का संचालन करते हुए दो चैन माउंटेन मशीनें पकड़ी गईं। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया। इसके अतिरिक्त ग्राम नवापारा में भी दो एक्सकेवेटर मशीनें जब्त की गईं, जिन्हें अग्रिम आदेश तक कोटवार की सुपुर्दगी में दिया गया है। कुल चार मशीनों की जब्ती कर प्रकरण दर्ज किया गया है। इन मामलों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि खनिज संसाधनों की लूट किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई होगी।

केन्द्रीय उड़नदस्ता और जिला टास्क फोर्स को राज्यभर में लगातार निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। आने वाले समय में ऐसे अभियान और तेज किए जाएंगे, जिससे अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। इस कार्रवाई में संयुक्त संचालक (खनि प्रशासन) श्री भूपेंद्र चंद्राकर, खनि अधिकारी हीरादास भारद्वाज सहित जिला स्तरीय टीम के अधिकारी शामिल रहे

तलाक का केस आते ही सब बेरोजगार', पति की दलील सुन भड़का एससी, बिना मांगे पत्नी को दिलाए 50 लाख!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की सर्वोच्च अदालत में रोजाना कई मामलों की सुनवाई होती है, लेकिन कई बार जजों की टिप्पणियां और फैसले चर्चा का विषय बन जाते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प और हैरान करने वाला मामला सुप्रीम कोर्ट में सामने आया, जहां एक पति को अदालत में दलीलें देना भारी पड़ गया। दिलचस्प बात यह रही कि पत्नी ने तलाक के एवज में कोई गुजारा भत्ता (एलिमनी) नहीं मांगा था, लेकिन कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए पति को 50 लाख रुपये देने का कड़ा आदेश सुना दिया। सुनवाई के दौरान पति के बेरोजगार होने की दलील पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि तलाक की कार्यवाही शुरू होते ही अचानक हर कोई बेरोजगार क्यों हो जाता है।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में एक तलाक के मामले की सुनवाई चल रही थी। पत्नी ने क्रूरता और परित्याग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी, लेकिन पति अदालत में रट लगाए हुए था कि उसे तलाक नहीं चाहिए। जब कोर्ट ने पति से पूछा कि क्या वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, तो उसने जवाब दिया कि वह अब एक 'फ्रीलांसर' है। इस जवाब पर जज ने तंज कसते हुए कहा कि तलाक का केस शुरू होने के बाद हर कोई बेरोजगार बन जाता है। जज ने कहा कि कभी पत्नी कहती है कि उसने इस्तीफा दे दिया है, तो कभी पति कहता है कि उसने नौकरी छोड़ दी है या उसे निकाल दिया गया है, और अब इस मामले में आप अचानक फ्रीलांसर बन गए हैं।

झूठे आरोप साबित न कर पाने पर लगाई क्लास

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पति से कड़े सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि क्या वह अपनी पत्नी पर लगाए गए व्यभिचार के आरोपों को साबित कर पाया है? इस पर पति का जवाब 'ना' में था। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि व्यभिचार का झूठा आरोप लगाना, जिसे आप अदालत में साबित ही न कर सकें, यह अपने आप में तलाक दिए जाने का एक बड़ा आधार है। इसी बीच जब कोर्ट ने पूछा कि क्या पत्नी गुजारा भत्ता मांग रही है, तो पति ने कहा कि वह ऐसी कोई डिमांड नहीं कर रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि तब तो आपको इस बात से खुश होना चाहिए।

मामले की सुनवाई के दौरान पत्नी की तरफ से अदालत को बताया गया कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट द्वारा तलाक के फैसले को सही ठहराए जाने के बाद उसने दूसरी शादी कर ली है। इसके बावजूद पति बार-बार अपनी बात रखने की कोशिश कर रहा था। कोर्ट ने इसके बाद सीधा आदेश देते हुए कहा कि पति अपनी पत्नी को 50 लाख रुपये एलिमनी के तौर पर दे। पति ने हैरान होते हुए कहा कि पत्नी ने तो इसकी मांग ही नहीं की है!

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक जवाब देते हुए कहा- यह उसकी मांग नहीं है, यह हम कह रहे हैं। आखिर में जब घबराए पति ने बच्चे की कस्टडी को लेकर मध्यस्थता की गुहार लगाई, तो अदालत ने उसकी इस अपील को भी सिरे से खारिज कर दिया।

तारापुर में बोले सीएम सम्राट चौधरी

फाइल दबा कर बैठे तो अफसर पर ऐक्शन, हर पंचायत में 2 दिन लगेगा कैंप

मुंगेर (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुंगेर जिले के दौरे पर रहे। सम्राट चौधरी ने इस दौरान तारापुर और असरगंज प्रखंड के लोगों को इको-टूरिज्म की सौगात दी है। बता दें कि सीएम बनने के बाद सम्राट चौधरी पहली बार अपने विधानसभा क्षेत्र तारापुर में पहुंचे थे। तारापुर में अपने संबोधन के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कई बातें कहीं। सीएम ने इसी के साथ उन अफसरों को भी चेताया है जो अक्सर फाइल दबा कर बैठ जाते हैं। अपने भाषण में सम्राट चौधरी ने कहा, 'इस इलाके का मुझे काफी प्यार मिला है। पहली बार मैं आपका विधायक बना हूं और पहली बार में ही बिहार का मुख्यमंत्री बन गया यह सबसे महत्वपूर्ण है। मैं विधायक तो कई बार रहा हूं।

विधान परिषद का सदस्य भी रहा हूं। लेकिन जिस इलाके में जन्म लिया था तो वहां पहली बार सेवा करने का मौका मिला है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ने बिहार की गद्दी पर मुझे सीएम बनाने का काम किया है। मुझे भी एहसास है कि बिहार को बदलना है। बिहार को समृद्धि की ओर ले जाना है।'

सीएम ने आगे कहा कि बिहार को विकसित बनाने का जो सपना पीएम मोदी ने देखा है। उसे पूरा करना है। जिस तरह दुनिया को शांति देने का काम भगवान बुद्ध ने किया थाा। लंबे समय तक नीतीश कुमार ने बिहार को सजाया है। सड़क-बिजली, पानी पहुंचाने का काम किया है। बच्चियों को स्कूल तक पहुंचाने का काम किया है और हमारी जो महिला बहने हैं उनको उद्योग-धंधे से जोड़ने का काम किया है। लेकिन इसको और तेज गति से बढ़ाना है। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि पूरे प्रदेश में मैं देखता था कि ब्लॉक की स्थिति थोड़ी गडबड़ थी।

भारत सरकार के मिशन कर्मयोगी - साधना सप्ताह में एसईसीएल को राष्ट्रीय स्तर पर टॉप 10 में स्थान

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोल इंडिया लिमिटेड की प्रमुख सहायक कंपनी, को मिशन कर्मयोगी - साधना सप्ताह 2026 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश के टॉप 10 परफॉर्मिंग संगठनों में स्थान प्राप्त हुआ है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग (Capacity Building Commission) द्वारा SECL के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (CMD) हरीश दुहन को प्रशंसा-पत्र प्रेषित किया गया है। प्रशंसा-पत्र में SECL की सक्रिय सहभागिता, कोर्स पूर्णता में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की गई है।

प्रशंसा-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि साधना सप्ताह (2-10 अप्रैल 2026) के दौरान SECL की प्रभावी भागीदारी तथा iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर व्यापक जुड़ाव, संगठन में निरंतर सीखने की संस्कृति एवं क्षमता निर्माण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। iGOT (Integrated Government Online Training) कर्मयोगी भारत सरकार का एक डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म है, जिसे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को सतत् सीखने, कौशल उन्नयन एवं क्षमता निर्माण के लिए एकीकृत मंच प्रदान करना है। इसी दिशा में SECL द्वारा iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर कर्मचारियों के कौशल विकास हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, सतत एवं धारणीय विकास तथा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) से संबंधित विषय प्रमुख हैं, जो कर्मचारियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बना रहे हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा यह सम्मान पूरे SECL परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह हमारे कर्मयोगियों की प्रतिबद्धता, सीखने की ललक एवं उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

पवन खेड़ा को हाईकोर्ट से बड़ा झटका, अग्रिम जमानत से इनकार, लटकी गिरफ्तारी की तलवार

गुवाहाटी (एजेंसी)।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा द्वारा कई पासपोर्टों से संबंधित आरोपों पर दर्ज कराई गई एफआईआर के संबंध में दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति पार्थिवज्योति सैकिया की अध्यक्षता वाली एकल-न्यायाधीश पीठ ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलों के बाद 21 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए यह आदेश सुनाया। विस्तृत निर्णय की प्रतीक्षा है। सुनवाई के दौरान, खेड़ा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी ने तर्क दिया कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और मुख्यमंत्री के कथित बयानों से उपजा है।

उन्होंने तर्क दिया कि इस मामले के आसपास का माहौल निष्पक्षता को लेकर चिंताएं पैदा करता है, खासकर आगामी चुनावों को देखते हुए। सिंघवी ने कहा कि खेरा के भागने का कोई खतरा नहीं है और हिरासत में पूछताछ अनावश्यक है। उन्होंने गिरफ्तारी की आवश्यकता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि आरोप अधिक से अधिक आपराधिक मानहानि के दायरे में आ सकते हैं। वरिष्ठ वकील कमल नयन चौधरी ने भी इन्हीं तर्कों का समर्थन करते हुए आरोपों को अपमानजनक बताया और कहा कि ये आरोप जानबूझकर दुर्भावना से गढ़े गए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि आरोपों की प्रकृति गंभीर दंड प्रावधानों को लागू करने का औचित्य नहीं देती और इनका समाधान निजी शिकायत के माध्यम से किया जा सकता है।

इस याचिका का विरोध करते हुए असम के एडवोकेट जनरल देवजीत लोन सैकिया ने तर्क दिया कि मामला मानहानि से कहीं अधिक गंभीर है। उन्होंने कहा कि इस मामले में धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं, जिनमें दस्तावेजों और स्वामित्व विलेखों की कथित हेराफेरी भी शामिल है, जिसके लिए हिरासत में जांच आवश्यक है।

इस मामले की प्रक्रियात्मक पृष्ठभूमि जटिल है। इससे पहले, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल को खेरा को एक सप्ताह की अग्रिम जमानत दी थी, जिससे उन्हें उचित न्यायालय में जाने की अनुमति मिल गई थी।

हालांकि, असम पुलिस द्वारा इस आदेश को चुनौती देने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने 15 अप्रैल को इस राहत पर रोक लगा दी। इसके बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने खेरा की रोक हटाने की याचिका खारिज कर दी और अंतरिम सुरक्षा बढ़ाने से भी इनकार कर दिया। हालांकि, इसमें यह स्पष्ट किया गया कि जमानत याचिका पर निर्णय लेते समय असम की सक्षम अदालत को पहले के आदेशों में की गई किसी भी टिप्पणी से प्रभावित नहीं होना चाहिए। इसके बाद, खेरा ने अग्रिम जमानत के लिए गुवाहाटी उच्च न्यायालय में याचिका दायर की।

बच्चा पैदा करने में संकीर्णता ना करें...

धीरेंद्र शास्त्री के 4 बच्चे वाले बयान पर क्या बोले जीतन राम मांझी?

गयाजी (एजेंसी)। बाबा बागेश्वर धाम के नाम से मशहूर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने महाराष्ट्र के नागपुर में हिंदुओं को 4 बच्चे पैदा करने की सलाह हाल ही में दी है। अब केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। जीतन राम मांझी ने कहा है कि बच्चे पैदा करने में संकीर्णता नहीं करनी चाहिए। इतना ही नहीं जीतन राम मांझी ने अपनी बात रखते वक्त देश की आबादी का भी जिक्र किया।

बाबा बागेश्वर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जीतन राम मांझी ने कहा, 'उन्होंने (धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री) क्या कहा, क्या नहीं कहा उसके बारे में मैं नहीं कहता हूं। पर इतना जरूर कहना चाहूंगा कि आदमी को जनसंख्या बढ़ाने में या बच्चा पैदा करने में संकीर्णता व्यक्त नहीं करना चाहिए। इसलिए क्योंकि सभी पेट लेकर नहीं पैदा होते हैं। हाथ और मस्तिष्क लेकर भी पैदा होता है। कौन लड़का कितना बड़ा आदमी हो सकता है कहा नहीं जा सकता है। हम रोजगार पैदा करेंगे। ईमानदारी से समाज को चलाएंगे तो सबका पालन हो जाएगा। आज भारत की जनसंख्या मात्र 140 करोड़ है। जिस समय सिर्फ और सिर्फ 60 करोड़ देवता होते थे, 60 करोड़ यदुवंशी होते थे उस समय भारत जगतगुरु कहलाता था तो उस समय जनसंख्या पर इस तरह से रोक नहीं थी।

मां ने 5 महीने की बेटी को पीटकर मार डाला, सास को फंसाने के लिए रची साजिश

पटना (एजेंसी)। मोकामा में पति के साथ मामूली विवाद पर महिला ने अपनी पांच माह की बेटी मुस्कान को पीट-पीटकर मार डाला। घटना शनिवार को मोकामा थाना क्षेत्र की मेकरा पंचायत के वार्ड- 6 की है। मेकरा निवासी टाइगर राय की पत्नी चांदनी देवी की पिटाई से उसके ढाई साल के बेटे अंकित कुमार जख्मी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

परिजनों के अनुसार, टाइगर राय गुजरात के गांधीनगर में मजदूरी करता है। उसने बहन की शादी के लिए अपनी मां के खाते में बीस हजार रुपए भेजे थे। लेकिन बहन की शादी में मां को मदद करना चांदनी देवी को नागवार गुजरा और उसने पति टाइगर से विवाद करना शुरू कर दिया। इसी गुस्से में उसने अपनी पांच महीने की बेटी मुस्कान को पटक कर मार डाला। थानाध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि मासूम बच्ची की हत्या के आरोप में चांदनी देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। चांदनी ने मायका वालों की मदद से अपनी मासूम बेटी की हत्या का आरोप सास निशा देवी पर ही लगाने लगी। हालांकि गांव के लोगों को इसका भरोसा नहीं हुआ। क्योंकि पूरे मोहल्ले ने मां को ही अपने मासूम बेटी की पिटाई करते देखा था। इस बीच पुलिस भी वहां पहुंची। पुलिस ने ढाई साल के अंकित से पूछा तो उसने सारी बात बताई। मासूम बच्चे ने मां द्वारा ही बहन की पिटाई की बात कही। इसके बाद पुलिस ने चांदनी देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इधर पटना सिटी इलाके में नालंदा से आए एक युवक की पीटकर हत्या कर दी गई। सुबह बहादुरपुर की जय महावीर कॉलोनी स्थित एक लॉज के पास खुले मैदान में उसका शव बरामद हुआ।मृतक की पहचान बिहारशरीफ, नालंदा निवासी 33 वर्षीय शंकर प्रसाद के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा की। युवक के शरीर पर चोट के निशान मिले: डीएसपी राजकिशोर सिंह ने बताया कि घटन की जानकारी परिजनों को दी गई है। डीएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि लॉज में रहने वाला एक युवक ही उसे लेकर आया था। घटना के बाद से वह फरार है।

सुबह-सुबह 50 हजार के इनामी कुख्यात का हाफ एनकाउंटर, पुलिस ने मारी गोली; साथी भी धराया

नवादा (एजेंसी)।

अपराधियों पर पुलिस का प्रहार जारी है। अब नवादा जिले में पुलिस और अपराधियों के बीच सुबह-सुबह मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने हाफ एनकाउंटर करते हुए एक अपराधी को गोली मार दी है। बताया जा रहा है कि रोह थाना क्षेत्र के कोशी गांव में राइस मिल के पास पौ फटने से पहले करीब तीन बजे पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से एक अपराधी घायल हो गया। उसके पास से एक देसी कट्टा और तीन कारतूस बरामद किया गया है।

अपराधी की पहचान जमुई जिले के लछुआड़ गांव निवासी मिंटू यादव के रूप में हुई है। 23 जनवरी को रोह थाना क्षेत्र के कोशी गोड़ीहारी पथ ग्रामीण मेडिकल प्रैक्टिशनर अशोक कुमार की नृशंस हत्या में इसकी संलिप्तता पाई गई थी और पुलिस को इसकी तलाश थी। पुलिस

को सूचना मिली कि मिंटू अपने अन्य साथियों के साथ दो अलग-अलग बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहा है।

पुलिस उसका पीछा करने लगी। इसी दौरान अपराधी ने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली अपराधी के पैर में लगी। घायल अपराधी को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। मिंटू के विरुद्ध कई गंभीर आरोप में दूसरे थानों में भी प्राथमिकी दर्ज हैं और वह अंतरराज्यीय अपराधी है। एनकाउंटर के बाद पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि कुख्यात मंटू यादव 50 हजार रुपए का इनामी था। उसपर नवादा और जमुई थाने में हत्या सहित कई मामले हैं दर्ज हैं। मौके से दूसरा मोटर साइकिल सवार अपराधी अभी फरार है। एक अन्य कुख्यात अपराधी टिंकू यादव गिरफ़्तार भी हुआ है।

चुनाव आयोग ने बंगाल में पक्षपात के आरोप में 5 पुलिसकर्मियों को किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर जिले में पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान गंभीर कदाचार तथा निष्पक्षता बनाए रखने में विफलता के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू कर दी है. पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को भेजे गए एक आधिकारिक बयान के अनुसार चुनाव आयोग ने डायमंड हार्बर के अतिरिक्त एपी संदीप गराई, डायमंड हार्बर के एसडीपीओ सजल मंडल, डायमंड हार्बर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज मौसम चक्रवर्ती, फलता पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज अजय बाग और उस्थी पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज सुभेच्छा बाग को तत्काल निलंबित करने का निर्देश दिया.

आयोग ने कार्रवाई के आधार के तौर पर गंभीर कदाचार और निष्पक्षता बनाए रखने में विफलता का हवाला दिया. सभी पाँच अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू कर दी गई है.

चुनाव आयोग ने डायमंड हार्बर की एसपी इशानी पाल को भी चेतावनी जारी की है. उन पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव से जुड़े संवेदनशील मामलों में अपने अधीनस्थ अधिकारियों के बीच अनुशासन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफलता दिखाई. आयोग ने निर्देश दिया है कि इस कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए और शनिवार सुबह 11 बजे तक इसकी अनुपालन रिपोर्ट जमा की जाए. इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आजादी के बाद से अब तक का सबसे ज़्यादा वोटर टर्नआउट दर्ज किया गया. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आजादी के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा वोटिंग प्रतिशत दर्ज किया गया है. चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के हर वोटर को सलाम करता है. भारत निर्वाचन आयोग के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग में 91.91 प्रतिशत का काफी ज्यादा वोटर टर्नआउट दर्ज किया गया. वोटिंग के ऊंचे आंकड़े एक सक्रिय चुनावी प्रक्रिया को दिखाते हैं, क्योंकि सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान समाप्त हो गया। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से ज़्यादा मतदान दर्ज किया गया. दक्षिण दिनाजपुर 94.85फीसदी के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद कूच बिहार 94.54 प्रतिशत बीरभूम 93.70 फीसदी जलपाईगुड़ी 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद 92.93 फीसदी रहा. ये आंकड़े पूरे राज्य में मतदाताओं की लगातार उच्च भागीदारी को दर्शाते हैं, जिसमें सभी प्रमुख जिले आसानी से 90 फीसदी के आंकड़े से ऊपर रहे. तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों और पश्चिम बंगाल की 152 सीटों के लिए मतदान कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुआ. पश्चिम बंगाल की बाकी 142 सीटों पर मतदान 29 अप्रैल को होना है, और वोटों की गिनती 4 मई को होगी.

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सूर्यवंशी के ऐतिहासिक शतक पर बोले मोहम्मद कैफ

वह बेहतरीन गेंदबाजों को भी साधारण बना देते हैं

जयपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को एक नई और बेहद रोमांचक सनसनी मिलती हुई दिखाई दे रही है। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें 'एक पूरी पीढ़ी में एक बार मिलने वाली असाधारण प्रतिभा' बताया है। जयपुर के ऐतिहासिक सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हाई-स्कोरिंग मैच देखने को मिला, जिसमें युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

राजस्थान रॉयल्स की टीम को 228/6 जैसे विशाल और चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने में सूर्यवंशी की तूफानी पारी सबसे बड़ा कारण रही। उन्होंने मात्र 37 गेंदों में 103 रन बनाकर क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। उनकी इस पारी में 12 लंबे छक्के और 5 आकर्षक चौके शामिल थे। हर शॉट के साथ स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का उत्साह बढ़ता चला गया और पूरा माहौल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, साहस और आक्रामकता साफ दिखाई दे रही थी, जो इतनी कम उम्र के खिलाड़ी में बेहद दुर्लभ मानी जाती है। हालांकि राजस्थान रॉयल्स ने बड़ा स्कोर खड़ा किया, लेकिन मैच का रोमांच अंत तक बना रहा और सनराइजर्स हैदराबाद ने लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए जीत हासिल कर ली। इसके बावजूद सूर्यवंशी की पारी मैच का सबसे बड़ा आकर्षण बन गई और क्रिकेट विशेषज्ञों तथा प्रशंसकों के बीच चर्चा का मुख्य विषय रही।

मोहम्मद कैफ ने जियो हॉटस्टार पर बातचीत करते हुए कहा, 'वैभव सूर्यवंशी सचमुच एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाली प्रतिभा हैं। केवल 15 साल की उम्र में इंडियन प्रीमियर लीग जैसे बड़े मंच पर इस तरह का प्रदर्शन करना किसी सपने से कम नहीं है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को भी साधारण बना देते हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि सूर्यवंशी की सबसे बड़ी खासियत उनका निडर रवैया है। कैफ ने प्रफुल हिंगे के खिलाफ उनकी आक्रामक शुरुआत का विशेष उल्लेख करते हुए बताया कि पिछली भिड़ंत में हिंगे ने उन्हें आउट किया था, लेकिन इस बार सूर्यवंशी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरे थे। 'उन्होंने हिंगे की गेंदों पर लगातार चार छक्के लगाए। यह सिर्फ बदला नहीं था, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती का प्रदर्शन था।'

कैफ ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के विश्वस्तरीय तेज गेंदबाज पैट कमिंस के सामने भी सूर्यवंशी ने कोई झिझक नहीं दिखाई। 'कमिंस की पहली ही गेंद पर छक्का लगाना दर्शाता है कि इस खिलाड़ी को बड़े नामों से डर नहीं लगता। वह बड़े मंच पर खेलने के लिए ही बने हैं। 'उन्होंने आगे कहा कि सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है मानो वह किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में नहीं बल्कि गली क्रिकेट खेल रहे हों। 'दो सीजन में दो शतक और दोनों 250 से अधिक के स्ट्राइक रेट से — यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है। वह परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होते, बल्कि परिस्थितियों को अपने अनुसार ढाल लेते हैं।'

मैच की बात करें तो सनराइजर्स हैदराबाद की जीत में ईशान किशन और अभिषेक शर्मा की अहम भूमिका रही। ईशान किशन ने 74 और अभिषेक शर्मा ने 57 रन बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। दोनों के बीच 132 रनों की साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया और टीम को नौ गेंद शेष रहते पांच विकेट से जीत दिलाई। कैफ ने सूर्यवंशी की तकनीकी क्षमता की भी विस्तार से सराहना की। 'गेंद की लंबाई पहचानने की उनकी क्षमता, क्रीज पर संतुलन और उनकी ताकत — ये सभी गुण विश्वस्तरीय हैं। इतनी कम उम्र में ऐसी परिपक्व बल्लेबाजी दुर्लभ है।' उन्होंने अंत में कहा कि यदि सूर्यवंशी फिट रहते हैं, मेहनत जारी रखते हैं और ध्यान केंद्रित रखते हैं, तो भारतीय क्रिकेट को अगले 20-25 वर्षों के लिए अपना अगला सुपरस्टार मिल चुका है। इस शानदार पारी ने यह संकेत दे दिया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और आने वाले वर्षों में वैभव सूर्यवंशी एक बड़ा नाम बन सकते हैं।

लुंगी एनगिडी की सिर की चोट पर बड़ी राहत, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद टीम में लौटी मुस्कान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के एक रोमांचक मुकाबले के दौरान दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए मैच में तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के साथ एक बेहद डरावना हादसा हो गया था, जिसने मैदान पर मौजूद हर खिलाड़ी और दर्शक को चिंतित कर दिया। कैच पकड़ने की कोशिश में एनगिडी तेजी से पीछे की ओर दौड़े, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण वह जोरदार तरीके से गिर पड़े और सिर तथा गर्दन के बल उन्हें गंभीर चोट लगी। यह दृश्य इतना अचानक और खतरनाक था कि कुछ समय के लिए पूरे मैदान में सन्नाटा छा गया और मेडिकल टीम को तुरंत मैदान पर बुलाना पड़ा। स्थिति को देखते हुए उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया, जिससे प्रशंसकों की चिंता और बढ़ गई। हालांकि बाद में एनगिडी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को संदेश देते हुए लिखा, 'संदेशों के लिए धन्यवाद, मैं पूरी तरह ठीक हूँ।' उनके इस आश्वासन के बाद टीम प्रबंधन और फैंस ने राहत की सांस ली। उन्हें तुरंत दिल्ली के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनकी जांच और इलाज किया गया। अच्छी खबर यह रही कि उनकी हालत स्थिर रही और सभी जरूरी जांचों के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक किरण कुमार ग्रांधी भी अस्पताल पहुंचे और उनसे मुलाकात कर उनका हालचाल जाना, जिससे टीम के भीतर सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

यह हादसा पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर के दौरान हुआ, जब अक्षर पटेल की गेंद पर बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने हवा में शॉट खेला और गेंद कैच बनने की स्थिति में थी। एनगिडी पूरे जोश के साथ कैच लेने के लिए पीछे दौड़े, लेकिन अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल जमीन पर गिर पड़े। इस घटना के बाद खेल को लगभग दस मिनट तक रोकना पड़ा, जबकि मेडिकल टीम उनकी स्थिति की जांच करती रही। बाद में कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में युवा खिलाड़ी विप्रज निगम को टीम में शामिल किया गया, ताकि टीम की गेंदबाजी में संतुलन बना रहे। टीम प्रबंधन ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार चोट गंभीर नहीं है और खिलाड़ी की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि टीम आगे भी नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी अपडेट देती रहेगी।

लुंगी एनगिडी इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए बेहद महत्वपूर्ण गेंदबाज साबित हुए हैं और उन्होंने सात मैचों में सात विकेट लेकर टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती प्रदान की है। उनकी अनुपस्थिति इस मुकाबले में साफ महसूस की गई, क्योंकि पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। कप्तान केएल राहुल ने नाबाद 152 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली, जो इस सत्र की सबसे शानदार पारियों में से एक मानी जा रही है। वहीं प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ने 126 रनों की मजबूत ओपनिंग साझेदारी कर जीत की मजबूत नींव रखी।

एनगिडी की चोट से पंजाब किंग्स को मिला फायदा

शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स ने 265 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया और दिल्ली कैपिटल्स को करारी हार का सामना करना पड़ा। एनगिडी की चोट ने दिल्ली की गेंदबाजी को कमजोर कर दिया, जिसका फायदा विपक्षी टीम ने पूरी तरह उठाया और मैच अपने नाम कर लिया।

गगनजीत भुल्लर और पुखराज सिंह सिंगापुर में संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंचे

सिंगापुर (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर रविवार को यहां इंटरनेशनल सीरीज सिंगापुर के अंतिम दौर में दो ओवर 73 के स्कोर से संयुक्त 26वें स्थान पर रहे। शुरुआत में खिताब के दावेदारों में शामिल रहे भुल्लर ने चार बर्डी की लेकिन चार बोगी और एक डबल बोगी कर गए जिससे उनका स्कोर दो ओवर रहा।

अंतिम दौर में भारत के पुखराज सिंह गिल ने चार अंडर 67 का टूर्नामेंट का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और भुल्लर के साथ संयुक्त 26वें स्थान पर रहे। उन्होंने पांच बर्डी और एक बोगी की। कट हासिल करने वाले एक अन्य भारतीय करणदीप कोच्चर (76) ने 70वां स्थान हासिल किया। कोरिया के जियोंगवू हैम ने तीन अंडर 68 के स्कोर से लगातार चौथे दिन अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए खिताब जीता।

भारत ने एशियाई खेल 2038 की मेजबानी के लिए शुरू किए प्रयास, एशियाई ओलंपिक परिषद को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 2036 के ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए अपनी दावेदारी पेश करने और राष्ट्रमंडल खेल 2030 के मेजबानी अधिकार हासिल करने के बाद एशियाई खेल 2038 पर अपनी निगाहें जमा ली हैं। भारतीय ओलंपिक संघ ने एशियाई ओलंपिक परिषद को पत्र लिखकर एशियाई खेल 2038 की मेजबानी में रुचि व्यक्त की है। बता दें कि 2026 संस्करण जापान के आइची-नागोया, 2030 संस्करण दोहा और 2034 संस्करण रियाद में आयोजित किया जाएगा।

चीन के सान्या में महाद्वीपीय निकाय की कार्यकारी बोर्ड की बैठक में भारत के प्रस्ताव पर चर्चा की गई और निर्णय लिया गया कि एशियाई ओलंपिक परिषद की मूल्यांकन टीम बोली का आंकलन करने के बाद देश का दौरा करेगी। भारतीय ओलंपिक संघ के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा, हम एशियाई खेलों की मेजबानी के इच्छुक हैं। हम एशियाई ओलंपिक परिषद के संपर्क में हैं और हमने कतर के एशियाई ओलंपिक परिषद अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी पत्र लिखकर अपनी रुचि व्यक्त की है।

भारत के अलावा, दक्षिण कोरिया और मंगोलिया अन्य ऐसे देश हैं जिन्होंने 2038 एशियाई खेलों की मेजबानी में रुचि दिखाई है। भारत ने 1951 में पहली बार एशियाई खेलों की मेजबानी की थी। यह इवेंट आखिरी बार 1982 में देश में आयोजित हुआ था। दोनों ही मौकों पर खेल नई दिल्ली में हुए थे। 2038 के लिए बोली 2036 के ओलंपिक के प्रस्ताव की तरह अहमदाबाद पर केंद्रित है। अहमदाबाद में ही 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भी आयोजित किए जाएंगे।

रविचंद्रन अश्विन और इरफान पठान ने खराब कप्तानी के लिए की हार्दिक पांड्या की आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 103 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। चेन्नई सुपरकिंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन (101*) के शतक से 207/6 का स्कोर बनाया था। जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम 104 रन पर ढेर हो गई। इस हार पर पूर्व खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन और इरफान पठान ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की खराब कप्तानी की आलोचना की है।

चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व ऑफ स्पिनर अश्विन ने अच्छी पिच पर चेन्नई सुपरकिंग्स को पहले बल्लेबाजी देने के लिए हार्दिक पांड्या की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह एक गलती थी जिसकी वजह से रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, हार्दिक पांड्या ने टॉस जीता और उस टीम को फायदा पहुंचाया जिसने इस टूर्नामेंट में सिर्फ पहले बल्लेबाजी करके ही मैच जीते हैं।

पठान ने मुंबई की पिच पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले की आलोचना की है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए पिछले 6 टी-20 मैचों में से 4 में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने ही जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला मुंबई इंडियंस के लिए मुश्किल था, लेकिन फैसलों के बाद हिम्मत तो दिखानी ही पड़ती है। हालांकि, पांड्या के नेतृत्व में टीम अपने फैसले का बचाव नहीं कर पाई। पठान ने सेट हो चुके संजू सैमसन के स्ट्राइक पर होने के बावजूद कृष भगत को 15वें-16वें ओवर में गेंदबाजी के लिए लाने पर पंड्या की आलोचना की। उन्होंने कहा, आपने कृष भगत को, जो अपना सिर्फ दूसरा मैच खेल रहे हैं, पहली बार 15वें-16वें ओवर में अच्छी तरह से सेट हो चुके सैमसन के स्ट्राइक पर आने के बावजूद गेंदबाजी के लिए लाया। पूर्व ऑलराउंडर ने पांड्या द्वारा उन्हें अंतिम ओवर देने पर भी उनकी आलोचना की। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 की शुरुआत शानदार तरीके से की। उसने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पहला मैच 6 विकेट से जीता। हालांकि, उसके बाद से टीम का प्रदर्शन खराब रहा है और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ घरेलू जीत के बाद लगातार 4 मैच हार गई। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 99 रनों की शानदार जीत के साथ उन्होंने हार का सिलसिला तोड़ा, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी और उसे चेन्नई सुपरकिंग्स से हार झेलनी पड़ी।

हर गेंद 150 की रफ्तार से नहीं फेंकी जा सकती, ओवरटन ने तेज गेंदबाज़ी का राज बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन ने अपनी गेंदबाजी और भूमिका को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि तेज गेंदबाजी सिर्फ गति का खेल नहीं बल्कि संतुलन, लय और निरंतरता की कला है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले से पहले उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजी करना आसान नहीं होता और हर गेंद 150 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से फेंकना संभव नहीं है। ओवरटन के अनुसार असली चुनौती अपनी गति, लय और नियंत्रण को लंबे समय तक बनाए रखने की होती है। उन्होंने कहा कि यह काम कठिन जरूर है, लेकिन वह इस चुनौती का पूरा आनंद ले रहे हैं और लगातार बेहतर बनने की कोशिश कर रहे हैं। उनका मानना है कि सही सोच, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक दृष्टिकोण ही उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन करने में मदद कर रहे हैं।

इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने यह भी बताया कि अलग-अलग टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव उनके बहुत काम आ रहा है। उन्होंने कहा कि वह पिछले कुछ समय से लगभग एक जैसी भूमिका निभा रहे हैं, चाहे वह बिग बैश लीग हो या विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट। उनके अनुसार उनका लक्ष्य हमेशा एक ही रहता है — विकेट पर जोर से गेंद डालना और बल्लेबाज पर दबाव बनाना। ओवरटन ने कहा कि अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने से उन्हें अपनी गेंदबाजी को बेहतर समझने और उसे परिस्थिति के अनुसार ढालने का अनुभव मिला है, जो इंडियन प्रीमियर लीग जैसे बड़े मंच पर काफी उपयोगी साबित हो रहा है।

चेन्नई की गर्म और उमस भरी परिस्थितियों पर बात करते हुए ओवरटन ने कहा कि यहां खेलना शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन पेशेवर खिलाड़ी होने के नाते ऐसी परिस्थितियों की आदत डालनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि मैदान के बाहर सही तैयारी जैसे पर्याप्त पानी पीना, फिटनेस बनाए रखना और संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि यही चीजें मैदान पर प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मैच शुरू होते ही उनका पूरा ध्यान सिर्फ प्रदर्शन पर होता है। साथ ही ओवरटन ने टीम के अन्य गेंदबाजों के साथ अपने अनुभव साझा करने और युवा खिलाड़ियों की मदद करने की बात कही। उन्होंने चेन्नई के प्रशंसकों की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यहां का माहौल शानदार है और दर्शकों का समर्थन टीम को अतिरिक्त ऊर्जा देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम इसी प्रदर्शन को जारी रखते हुए फाइनल तक पहुंचेगी।

वैश्विक एआई दौड़ के बीच गूगल एन्थ्रोपिक में 40 अरब डॉलर तक का करेगा निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ में बड़ा दांव खेलते हुए एआई कंपनी एन्थ्रोपिक में 40 अरब डॉलर तक निवेश करने की योजना बनाई है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब दुनियाभर की बड़ी टेक कंपनियां एडवांस एआई मॉडल और इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से निवेश कर रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्रस्तावित निवेश में शुरुआती तौर पर 10 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा, जो एन्थ्रोपिक के 380 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर आधारित होगा। इसके बाद बाकी 30 अरब डॉलर का निवेश कंपनी के प्रदर्शन से जुड़े लक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा। यह निवेश दोनों कंपनियों के बीच पहले से चल रही साझेदारी को और मजबूत करता है। इस साझेदारी के तहत गूगल, एन्थ्रोपिक को क्लॉड इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता है और उसके एआई मॉडल, खासकर क्लॉड सीरीज तक पहुंच देता है।

इसके अलावा, एन्थ्रोपिक, गूगल के कस्टम टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) का इस्तेमाल करता है, जो पारंपरिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) का एक विकल्प हैं। एआई टूल्स की बढ़ती मांग के कारण कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इसी को देखते हुए एन्थ्रोपिक ने हाल ही में गूगल और ब्रॉडकॉम के साथ मिलकर 5 गीगावाट कंप्यूट क्षमता हासिल की है और इसे आगे और बढ़ाने की योजना है।

रियान पराग के फॉर्म पर बोले बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, कहा - उसकी बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के कप्तान रियान पराग के मौजूदा सत्र में खराब प्रदर्शन को लेकर उठ रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए उनका बचाव किया है और भरोसा जताया है कि वह जल्द ही बड़ी पारी खेलकर आलोचकों को जवाब देंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले आठ मुकाबलों में रियान पराग का बल्ला अब तक शांत रहा है, जिससे उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों पर चर्चा तेज हो गई है। जयपुर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में हार के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राठौड़ ने कहा कि टीम को रियान की बल्लेबाजी को लेकर कोई चिंता नहीं है, क्योंकि वह लगातार अभ्यास में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अच्छी लय में दिखाई देते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'उसकी बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं है, वह नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है और लगातार मेहनत कर रहा है, इसलिए हमें पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही बड़े स्कोर के साथ वापसी करेगा।'

इस सत्र में रियान पराग ने अब तक आठ मैचों में 112.82 के स्ट्राइक रेट से केवल 88 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 20 रन रहा है। यही कारण है कि टीम की कप्तानी के लिए उनके चयन पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं, खासकर तब जब टीम में भारतीय क्रिकेट के नियमित खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे युवा सितारे मौजूद हैं। वहीं टीम के अन्य बल्लेबाज शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं, जिससे रियान का प्रदर्शन और भी फीका दिखाई देता है। वैभव सूर्यवंशी ने 234 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाकर सबका ध्यान खींचा है, जबकि यशस्वी जायसवाल ने 153 के स्ट्राइक रेट से 255 रन और ध्रुव जुरेल ने 130 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 232 रन बनाए हैं। इसके अलावा रवींद्र जडेजा और डोनोवन फरेरा भी उनसे आगे चल रहे हैं, जिससे टीम के भीतर प्रतिस्पर्धा और बढ़ गई है। राठौड़ ने हालांकि इस पूरे दौर को खेल का सामान्य हिस्सा बताते हुए कहा कि हर खिलाड़ी को कभी न कभी ऐसे समय से गुजरना पड़ता है जब वह उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पाता। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कभी-कभी खिलाड़ी अच्छे फॉर्म में नहीं होते, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनकी क्षमता खत्म हो गई है। हमें पूरा भरोसा है कि रियान पराग मजबूत वापसी करेंगे और टीम के लिए मैच जिताने वाली पारियां खेलेंगे।' उन्होंने यह भी बताया कि टीम प्रबंधन लगातार उनकी बल्लेबाजी पर चर्चा कर रहा है और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने पर काम कर रहा है, ताकि वह जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ मैदान पर लौट सकें।

संपादकीय

भड़काऊ बयान से बढ़ सकता है तनाव

अमेरिका और ईरान के बीच 8 अप्रैल के बाद से कोई सीधा संघर्ष नहीं हुआ है। पिछले दिनों जब दो हफ्ते का संघर्षविराम खत्म हुआ, तो तमाम धमकियों के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप ने इसे और आगे खिसका दिया। इससे लगा कि तनाव के बावजूद दोनों पक्ष शांति चाहते हैं। हालांकि अब यह लड़ाई होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी के रूप में दूसरा रूप ले चुकी है और ट्रंप के ताजा आदेश के बाद गतिरोध और गहरा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आदेश दिया है कि अगर कोई ईरानी नाव होर्मुज में बारूदी सुरंग बिछाती मिलती है, तो उसे देखते ही उड़ा दिया जाए। इससे पहले ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि उनके सैनिक होर्मुज के पास गुफाओं में तैयार बैठे हैं। इन बयानों से जाहिर है कि दोनों ही पक्ष एक-दूसरे को उकसा रहे हैं। लेकिन, जब हालात इतने तनावपूर्ण हों, तब ऐसे कदम गंभीर रूप ले सकते हैं।

होर्मुज से इस समय आवाजाही बिल्कुल ही बंद है। अमेरिकी नौसेना ने तेहरान के बंदरगाहों की घेराबंदी कर रखी है, और बदले में ईरान भी किसी जहाज को खाड़ी पार करने नहीं दे रहा। इस तरह की स्थिति तब भी नहीं बनी थी, जब जंग चल रही थी। उस दरम्यान बीच-बीच में कुछ जहाजों को होर्मुज से गुजरने की इजाजत मिल गई थी।

अमेरिका और ईरान एक-दूसरे के हद की परीक्षा ले रहे हैं और इसकी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ रही है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि उसकी नाकेबंदी की वजह से तेहरान को हर दिन 50 करोड़ डॉलर का नुकसान हो रहा है। आर्थिक दबाव बनाकर ट्रंप अपनी शर्तों पर ईरान को बातचीत की मेज पर लाना चाहते हैं। लेकिन, बरसों के पश्चिमी प्रतिबंधों ने ईरान को इन हालात का आदि बना दिया है। ट्रंप जितना दबाव बनाएंगे, प्रतिरोध की भावना उतनी ही प्रबल होगी। सैन्य टकराव से दोनों पक्ष जितना हासिल कर सकते थे, कर लिया। अमेरिका ने जिन लक्ष्यों को लेकर जंग छेड़ी थी, वे अब भी दूर हैं और उसे पता है कि लड़ाई से उसे पूरा नहीं कर सकते। इसी तरह ईरान को भी अंदाजा होगा कि वह ट्रंप की जिद को एक सीमा तक ही झुका सकता है। ऐसे में एक ही रास्ता बचता है, शांति। तेल और नैचुरल गैस को लेकर इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी की चेतावनी, कि इनकी सप्लाई 2027 तक भी सामान्य नहीं होगी, जंग के गंभीर नतीजों का बस एक पहलू है। गतिरोध लंबा खिंचने से वैश्विक मंदी आ सकती है, जिसकी सबसे ज्यादा कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ती है।

भाजपा का लक्ष्य सदा के लिए सत्ता में बने रहना

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारत की किसी भी अन्य पार्टी, चाहे वह अतीत की हो या वर्तमान की, से अलग है। इसका लक्ष्य केवल अधिक से अधिक बार चुनाव जीतना नहीं, बल्कि चुनाव जीतना और हमेशा के लिए सत्ता में बने रहना है। इस लिहाज से भाजपा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.सी.) की तरह है। सी.पी.सी. का सत्ता तक पहुंचने का रास्ता जापानी आक्रमणकारियों के खिलाफ एक क्रूर युद्ध और 1945 में जापान के आत्मसमर्पण के बाद, 1949 में कुओमिन्तांग (के.एम.टी.) के खिलाफ एक कड़वे गृहयुद्ध के माध्यम से था। सी.पी.सी. तब से सत्ता में बनी हुई है। 1950 में अपनाया गया भारत का संविधान कई राजनीतिक दलों की अनुमति देता है और संघ-स्तर तथा राज्य-स्तर पर समय-समय पर चुनाव और सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण का आदेश देता है। चीन और भारत के बीच यही महत्वपूर्ण अंतर है।

भाजपा और आर.एस.एस. : अपनी स्थापना के समय जनसंघ और बाद में भारतीय जनसंघ और अपने वर्तमान स्वरूप में भारतीय जनता पार्टी, भारत के संविधान में विश्वास करती थी। इसका पोषण एक लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में किया गया था और इसे राजनीतिक स्पैक्ट्रम के दक्षिणपंथी छोर पर रखा गया था। इसने खुद को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग करने का प्रयास किया, जिसने वाम-मध्य (लेफ्ट-ऑफ-सैंटर) स्थान पर कब्जा कर रखा था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, ए.बी. वाजपेयी और एल.के. अडवानी के नेतृत्व में भाजपा वर्षों तक एक लोकतांत्रिक पार्टी बनी रही। हालांकि, भाजपा के राजनीतिक गुरु, आर.एस.एस. का भारत की राजनीति और राजनीतिक वास्तुकला के बारे में एक अलग दृष्टिकोण था, और है। आर.एस.एस. का मानना है कि भारत एक भाषा, एक संस्कृति, एक राजनीतिक दल और जहां तक संभव हो, एक धर्म वाला देश होना चाहिए।

प्रधानमंत्री और भाजपा के वास्तविक (डी फैक्टो) नेता नरेंद्र मोदी एक ऐसे विचारक हैं जो भारत के बारे में आर.एस.एस. के दृष्टिकोण को स्वीकार करते हैं लेकिन साथ ही, वह यह महसूस करने के लिए पूरी तरह से व्यावहारिक हैं कि आर.एस.एस. का लक्ष्य केवल चुनावी जीत के माध्यम से नहीं, बल्कि सावधानीपूर्वक तैयार किए गए कदमों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। 2014 से मोदी सरकार द्वारा उठाए गए संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक कदमों को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और समान नागरिक संहिता का मोदी द्वारा पुरजोर समर्थन, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम का पारित होना, अनुच्छेद 73, अनुच्छेद 162 और संविधान के भाग XI, XII और XIV के प्रावधानों की रचनात्मक व्याख्या और 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओ.एन.ओ.ई.) को लागू करने का दृढ़ प्रयास, ये सभी तथाकथित 'विकसित भारत' की शुरुआत करने के लिए गणना किए गए कदम हैं।

अपेक्षा और निराशा : 2014 से 2024 तक मोदी का वर्चस्व था। उन्हें पूरे विश्वास के साथ उम्मीद थी कि भारत के लोग 2024 के चुनाव में उनकी पार्टी को लोकसभा में 400+ सीटें देंगे लेकिन उन्हें एक बड़ा झटका लगा, लोगों ने उन्हें केवल 240 सीटें दीं, जो कि 543 सीटों के साधारण बहुमत से भी कम है। 2024 के बाद से उनके सभी प्रयास 2029 से पहले खोई हुई जमीन को वापस पाने के लिए हैं।

मान लीजिए कि भाजपा संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने में सफल हो गई होती। महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण की आड़ में, इसने परिसीमन और चुनावी क्षेत्रों में हेरफेर की अनुमति दे दी होती। नए कानून दक्षिण भारतीय राज्यों को देश के शासन में अप्रासंगिक बना देते। इसके अलावा, भाजपा 2029 में ओ.एन.ओ.ई. की अवधारणा को लागू करने के लिए विधेयक (विधेयकों) सहित संविधान के अन्य संशोधनों को पारित करने के लिए संसद में दबाव डालती।

2024 के लोकसभा चुनावों तक : भाजपा ने सोचा था कि उसके पास चुनाव जीतने का एक विजयी फार्मूला है-9 उत्तरहदी भाषी राज्यों और गुजरात में एक क्रूर संगठनात्मक मशीन, महाराष्ट्र, पंजाब और जम्मू के जिलों जैसे हिंदी जानने वाले राज्यों में एक उचित रूप से फिट पार्टी, धन शक्ति, आज्ञाकारी राज्यपाल, डरा हुआ नौकरशाही ढांचा, तलाशी लेने, जब्त करने, गिरफ्तार करने और मुकद्दमा चलाने की शक्ति वाली दब्बू जांच एजेंसियां, एक कब्जे में लिया गया या पालतू मीडिया, भारत के चुनाव आयोग का मौन समर्थन और एक संयमित न्यायपालिका। पूर्ण सत्ता की राह में बाधाएं दक्षिण भारतीय राज्य और पश्चिम बंगाल हैं।

ओ.एन.ओ.ई. विधेयक को हराना होगा : मुझे डर है कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक यदि पारित हो जाता है, तो यह विपक्षी गुट को छिन्न-भिन्न कर सकता है। क्षेत्रीय और एक-राज्यीय दल कांग्रेस के साथ मिलकर विपक्षी गुट बनाते हैं। उनके आपस में मतभेद हैं और वे राज्य विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनावों में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। साथ ही, उनमें लोकसभा चुनाव में एक गुट बनाने की क्षमता है, जैसा कि उन्होंने 2024 में किया था। यदि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं (और अंततः स्थानीय निकायों) के चुनाव एक साथ होते हैं, तो क्षेत्रीय दलों के लिए एक साथ आना और एक गुट बनाना बेहद मुश्किल होगा, जो अकेले उन्हें लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने का सबसे अच्छा मौका देता है। ओ.एन.ओ.ई. उस महत्वाकांक्षा पर पानी फेर देगा। इसलिए, भाजपा ओ.एन.ओ.ई. विधेयक पारित होना अपने भव्य डिजाइन के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखती है।

2024 के लोकसभा चुनावों का सबक यह है कि कई दलों द्वारा 'इंडिया' ब्लॉक बनाने के बावजूद, वे भाजपा को नहीं हरा सके, जो 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। आपसी तालमेल के साथ, 'इंडिया' ब्लॉक में खुद को विस्तार देने की क्षमता है। यदि दल इस सबक को नहीं सीखते, तो कई छोटी पार्टियां पीछे छूट जाएंगी और गायब हो सकती हैं। अंततः, लोकसभा चुनाव में 2 बड़े गठबंधन केंद्र में भाजपा द्वारा सत्ता के एकाधिकार को रोकेंगे, वैकल्पिक राजनीतिक विकल्प पैदा करेंगे और भारत के धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्रात्मक संविधान को बनाए रखेंगे।

पत्नी से जबरदस्ती करना मौजूदा लॉ में दुष्कर्म नहीं', कानून की ये कमी औरतों से नाइंसाफी

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने वैवाहिक संबंध के भीतर अप्राकृतिक यौन संबंध के आरोप को अपराध मानने से इनकार किया, जिससे मैरिटल रेप पर बहस तेज हो गई है। मौजूदा कानून में पति को अपवाद का संरक्षण मिला है, जबकि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। नए कानूनों और परिभाषाओं के बावजूद विवाहित महिलाओं की कानूनी सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

राजेश चौधरी: मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पिछले दिनों एक व्यक्ति के खिलाफ अप्राकृतिक यौन संबंध के आरोप को खारिज कर दिया। यह इल्जाम उसकी पत्नी ने लगाया था। अदालत ने कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत वैध विवाह के भीतर ऐसे आरोपों पर मुकदमा नहीं हो सकता। इसके बाद सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर मैरिटल रेप को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है।

परिभाषा बदली: भारत के कानून में मैरिटल रेप के मामले में पति को अपवाद की श्रेणी में रखा जाता है। सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती दी जा चुकी है, जिस पर सुनवाई चल रही है। लेकिन, हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल उठने लगा है कि क्या कानून में कोई विरोधाभास (गैप) है।

मैरिटल रेप नहीं: मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा था कि अगर शिकायतकर्ता के आरोपों को एकबारगी सही भी मान लिया जाए, तब भी वह वैवाहिक संबंध के दायरे में हुआ है। इसलिए, भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के तहत यह अपराध नहीं है। अदालत ने कहा कि 2013 के संशोधन के बाद IPC की धारा 375 में ओरल और अननैचुरल (अप्राकृतिक) कृत्यों को भी दुष्कर्म माना गया है। लेकिन, कानून में अब भी एक अपवाद मौजूद है, जिसके अनुसार किसी पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ यौन संबंध या यौन कृत्य बलात्कार नहीं माना जाएगा।

बढ़ता अपवाद: मौजूदा व्यवस्था में पत्नी अगर बालिग है, तो उसकी असहमति के कोई मायने नहीं। यही कारण है कि मैरिटल रेप में पति को सजा नहीं होती। लेकिन, विडंबना है कि रेप का दायरा बढ़ाए जाने के कारण अपवाद का भी दायरा बढ़ गया है। मैरिटल रेप में अपवाद के तौर पर पति को छूट मिली हुई थी और अप्राकृतिक संबंध भी रेप की परिभाषा में शामिल होने से यह भी अपवाद में शामिल हो गया।

सहमति के मायने नहीं: कानून कहता है कि अगर कोई शख्स किसी भी महिला के साथ उसकी मर्जी के खिलाफ संबंध बनाता है, तो वह रेप होगा। महिला (अविवाहित) की उम्र 15 साल से ऊपर है, तो उसकी सहमति के मायने नहीं। वहीं, पत्नी की उम्र 15 साल से ज्यादा है, तो उसे रेप नहीं मानेंगे। फिर 11 अक्टूबर 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में 15 साल से ऊपर के अपवाद को निरस्त कर दिया और कहा कि अगर पत्नी की उम्र 15 से 18 के बीच है और उसकी मर्जी के खिलाफ उससे संबंध बनाए जाते हैं, तो वह पति के खिलाफ रेप का केस दर्ज करा सकती है।

BNS में परिभाषा: अगर नाबालिग पत्नी एक साल के भीतर शिकायत करती है, तो रेप का केस माना जाएगा। यानी अगर शिकायत नहीं करती तो केस नहीं बनेगा। अब नई भारतीय न्याय संहिता की धारा-63 के मुताबिक, अगर महिला के साथ कोई शख्स जबरन संबंध बनाता है या उसके प्राइवेट पार्ट में कोई भी ऑब्जेक्ट डालता है, तो वह रेप होगा। निर्भया केस के बाद रेप की परिभाषा को ज्यादा व्यापक कर दिया गया था।

सुरक्षा पर सवाल: रेप लॉ में बदलाव के बाद पति-पत्नी के मामले में अप्राकृतिक संबंध भी अपवाद के दायरे में आ गया है, लेकिन इस कारण क्या महिलाएं ज्यादा शिकार नहीं बनेंगी? कानून बनाने वालों ने महिलाओं की ज्यादा सुरक्षा के लिए दुष्कर्म की नई परिभाषा गढ़ दी, लेकिन इससे अपवाद का दायरा भी बढ़ता गया।

कोर्ट में केस: मैरिटल रेप का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में है। तीन जजों की बेंच इस केस में सुनवाई करने वाली है। मैरिटल रेप को अपराध मानने की मांग वाली याचिका में कहा गया है कि कई देशों में ऐसा प्रावधान है। समाज में भी कई बरसों से इसे लेकर बहस चल रही ।

सरकार का पक्ष: सरकार ने हलफनामा दायर कर कहा है कि वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के संबंध को रेप के दायरे में लाना कठोर कदम होगा। इसके गंभीर सामाजिक और कानूनी दुष्प्रभाव पड़ेंगे। इससे शादी संस्थान को नुकसान होगा। हालांकि, सरकार ने माना है कि पत्नी की सहमति का उल्लंघन करना पति का मौलिक अधिकार नहीं है।

अविवाहित को लाभ: BNS में जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाने वालों के खिलाफ कानूनी प्रावधान नहीं हैं। दुष्कर्म की परिभाषा में महिलाओं और नाबालिगों को जबरन अप्राकृतिक संबंध मामले में प्रोटेक्ट किया गया है। शादीशुदा महिला के मामले में ऐसा नहीं है, क्योंकि मैरिटल रेप को अपराध नहीं माना है। इस लिहाज से देखें तो अविवाहित लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा मजबूत हुई है और विवाहित महिलाएं शोषण का शिकार हो सकती हैं। अब अप्राकृतिक संबंध को भी दुष्कर्म नहीं मानने से विवाहित महिलाओं के सम्मान पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

राजनीति में क्यों लांघी जा रही भाषा की मर्यादा?

हाल ही में 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में जुबानी तीर भी खूब चले। जुबानी तीर जब भाषा की मर्यादा लांघ जाएं तो राजनेताओं को यह सोचने की जरूरत है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। देश और दुनिया में पिछले 10 साल से राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है। लगातार भाषा की मर्यादाएं लांघी जा रही हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु में प्रधानमंत्री को कथित तौर पर आतंकवादी कहा। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वे आतंकवादी हैं। ई.डी., आयकर विभाग और सी.बी.आई. छापेमारी कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री को आतंकी कहने के मामले में चुनाव आयोग से खरगे की शिकायत की थी। इसके बाद महाराष्ट्र के मंत्री नीतिश राणे ने कहा कि इस देश में सिर्फ एक आतंकवादी है और वो है राहुल गांधी, जो पाकिस्तान की भाषा बोलता है। इसके साथ ही एक चुनावी रैली में गृहमंत्री अमित शाह ने भी ममता बनर्जी के लिए गलत लहजे में बात की।

अगर हम पिछले 4-5 महीने के राजनेताओं के वक्तव्यों पर गौर करेंगे तो गंदी भाषा के अनेक उदाहरण सामने आ जाएंगे। सार्वजनिक जगहों पर यह गंदी भाषा वे लोग बोल रहे हैं, जो अपनी अपनी पार्टी में या फिर सरकार में जिम्मेदार पदों पर हैं। सवाल यह है कि क्या गंदी भाषा के बिना राजनीति नहीं हो सकती? मल्लिकार्जुन खरगे एक वरिष्ठ राजनेता हैं और देश की सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष हैं। क्या उन्हें प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना शोभा देता है? इस मुद्दे पर कांग्रेस के समर्थक यह कह सकते हैं कि भाजपा के लोग सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बारे में अक्सर गंदी भाषा का इस्तेमाल करते रहते हैं। पं. नेहरू को भी बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इसलिए अगर खरगे ने प्रधानमंत्री के बारे में गलत शब्द बोल दिया तो क्या हो गया। तो क्या इस आधार पर मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना उचित है?

प्रेग्नेंसी में मलेरिया हो जाएं तो सावधान, बढ़ सकता है प्रीमैच्योर डिलीवरी का रिस्क

गर्मी और बरसात का मौसम आते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, और इसके साथ ही मलेरिया का खतरा भी। आम तौर पर लोग इसे एक सामान्य बुखार समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन गर्भावस्था में यही बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। इस दौरान मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों की सुरक्षा बेहद जरूरी होती है, इसलिए जरा सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है।

गर्भावस्था के दौरान महिला की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) थोड़ी कमजोर हो जाती है। यही वजह है कि इस समय किसी भी संक्रमण का असर जल्दी और ज्यादा होता है। अगर इस दौरान मलेरिया हो जाए तो यह केवल मां की सेहत ही नहीं, बल्कि बच्चे के विकास को भी प्रभावित कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रेग्नेंसी में मलेरिया होने पर समय से पहले डिलीवरी (प्रीमैच्योर बर्थ) का खतरा काफी बढ़ जाता है। मलेरिया का परजीवी खून को प्रभावित करता है, जिससे प्लेसेंटा तक सही मात्रा में ऑक्सीजन और पोषण नहीं पहुंच पाता। इसका असर सीधे बच्चे की ग्रोथ पर पड़ता है और कई मामलों में बच्चे का वजन कम रह जाता है या समय से पहले जन्म हो सकता है।

मलेरिया सिर्फ बच्चे के लिए ही नहीं, बल्कि मां के लिए भी खतरनाक हो सकता है। तेज बुखार, कमजोरी, सिरदर्द और शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। अगर समय पर इलाज न मिले, तो यह एनीमिया (खून की कमी) का कारण भी बन सकता है। मां की सेहत बिगड़ने से बच्चे पर भी नकारात्मक असर पड़ता है, इसलिए किसी भी लक्षण को हल्के में लेना सही नहीं है।

अगर गर्भवती महिला को बार-बार बुखार आना, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द या अत्यधिक थकान महसूस हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। समय पर जांच और इलाज से बड़ी समस्या से बचा जा सकता है। प्रेग्नेंसी में मलेरिया से बचना ही सबसे सुरक्षित तरीका है। इसके लिए कुछ आसान सावधानियां अपनाई जा सकती हैं घर के आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी का करिश्मा : अल्पमत से बहुमत सरकार

मार्क कार्नी निश्चित रूप से कनाडा के एक सक्षम, दूरदर्शी, गतिशील और अडिग साहसी राजनीतिक विचारधारा वाले प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित हो रहे हैं। भारतीय दिवंगत प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की तरह, वह भी एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लिबरल सरकार में संकट के समय उत्तराधिकारी के रूप में आगे लाए गए थे। लेकिन दोनों में यह अंतर स्पष्ट रूप से नजर आता है कि जहां डा. मनमोहन सिंह अपने 10 साल के कार्यकाल में कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो सोनिया गांधी की राजनीतिक छाया में अपनी राजनीतिक, आर्थिक और प्रशासनिक प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन नहीं कर सके, वहीं मार्क कार्नी के स्वतंत्र, उदार और सैद्धांतिक रूप से दूरदर्शी वैचारिक अस्तित्व और हस्ती ने पूरी दुनिया को चकित कर दिया है। वह अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हिटलर जैसी प्रवृत्ति और उनकी लगातार धमकियों से जरा भी नहीं डिगे, बल्कि दावोस (स्विट्जरलैंड) में 20 जनवरी, 2026 को 56वें विश्व आर्थिक मंच में खंडित हुई विश्व व्यवस्था के स्थान पर नई भू-राजनीतिक व्यवस्था के आधार की आहट को उजागर करते हुए, अमरीकी महाशक्ति और तानाशाह ट्रम्प के आतंक को साहसिक चुनौती दी और पूरे विश्व को एक ऐतिहासिक झटके के साथ जागृत होने का संदेश दिया।

अल्पसंख्यक सरकार : 28 अप्रैल, 2025 को हुए 45वें संसदीय आम चुनाव में कनाडाई जनता ने उनके पक्ष में अल्पसंख्यक सरकार के गठन का जनादेश दिया था। वह 343 सदस्यों वाले हाऊस ऑफ कॉमन्स में बहुमत से केवल 3 (169) वोटों की दूरी पर थे। लेकिन जल्द ही पूरे देश में उनके नेतृत्व की स्वीकार्यता, लोकप्रियता, प्रशासनिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षमता में वृद्धि हुई। उनके नेतृत्व में पूरे देश द्वारा एकजुट होकर ट्रम्प जैसे तानाशाह और अमरीकी साम्राज्य के विस्तारवाद का जवाब देने के लिए बनी सहमति के कारण, मुख्य विपक्षी दल कंजर्वेटिव और एन.डी.पी. के संसद सदस्यों ने दल बदलकर उनके नेतृत्व में एक सक्षम, स्थिर और प्रभावशाली सरकार को प्राथमिकता दी।

बहुमत : मार्क कार्नी ने भारतीय लोकतंत्र के कुछ नेताओं की तरह अपनी अल्पसंख्यक सरकार को बहुमत में बदलने के लिए न तो कोई गंदा राजनीतिक खेल खेला और न ही किसी प्रकार का भ्रष्टाचारी हथकंडा अपनाया। विपक्ष द्वारा बार-बार लाए गए अविश्वास प्रस्तावों और बजट पारित कराते समय उन्होंने बड़े धैर्य, गंभीरता और राजनीतिक कूटनीति के साथ सामना किया। हैरानी की बात यह है कि विपक्ष के भीतर कार्नी समर्थक सांसदों ने ऐसी चुनौतियों के समय कार्नी सरकार की मदद की। 5 विपक्षी पार्टियों के सांसदों के लिबरल पार्टी में शामिल होने और 13 अप्रैल, 2026 को 3 संसदीय उपचुनावों में लिबरल उम्मीदवारों की जीत के साथ, करीब एक साल बाद प्रधानमंत्री कार्नी ने संसद में पूर्ण बहुमत प्राप्त कर लिया है। इस समय 343 सदस्यीय हाऊस ऑफ कॉमन्स में लिबरल के पास 174, कंजर्वेटिव के पास 140, एन.डी.पी. के पास 6 और ग्रीन पार्टी के पास 1 सीट है।

आरोप : विपक्ष के नेता कंजर्वेटिव पियरे पोलिवरे ने संसद में बहुमत प्राप्त करने के लिए लिबरल द्वारा आंतरिक गंदे खेल को 'कृत्रिम' और 'निर्मित' करार दिया है। लेकिन राजनीति विज्ञान की विशेषज्ञ लोरी टर्नबुल का कहना है कि कानूनी, संवैधानिक और राजनीतिक तर्कसंगतता के पक्ष से देखा जाए तो यह बहुमत बिल्कुल सही है और पियरे पोलिवरे का स्टैंड गलत है। कानूनी और संवैधानिक रूप से दल-बदल के बाद संघीय कानून में उपचुनाव कराने का कोई प्रावधान नहीं है। वर्ष 2011 में दल-बदल के बाद उपचुनाव कराने के कानूनी प्रावधान के विरुद्ध खुद विपक्षी नेता पियरे पोलिवरे ने वोट दिया था, इसलिए वर्तमान कनाडाई संविधान के तहत कोई भी संसद सदस्य किसी भी पक्ष का समर्थन करने के लिए स्वतंत्र है। प्रधानमंत्री को संसद के भीतर बहुमत की आवश्यकता होती है, चाहे वह किसी भी पार्टी या सदस्यों द्वारा प्राप्त हो, संविधान पार्टी संबद्धता के बारे में बिल्कुल मौन है।

पियरे पोलिवरे भूल गए कि वर्ष 2008 में कनाडाई मतदाताओं ने स्टीफन हार्पर के नेतृत्व में अल्पसंख्यक सरकार चुनी थी। जब लिबरल, एन.डी.पी. और ब्लॉक क्यूबेक के सदस्यों ने मिलकर उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहा, तो वह संसद को निलंबित करने के लिए गवर्नर जनरल के पास चले गए। टर्नबुल का कहना है कि यह स्टीफन हार्पर का असंवैधानिक कदम था। क्या कंजर्वेटिव्स ने स्टीफन हार्पर के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की सदस्य लियोना एलिसलेव का दल-बदल स्वीकार नहीं किया था? क्या वर्ष 2006 में वैंकूवर से निर्वाचित लिबरल सांसद डेविड इमर्सन को दल-बदल के तुरंत बाद कैबिनेट मंत्री नहीं बनाया गया था? तब इन लिबरलों से किसी ने उपचुनाव लडने् को नहीं कहा। ब्रिटिश कोलंबिया की लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहीं क्रिस्टी क्लार्क का मानना है कि यदि कोई सांसद अपने नेता या उसके निर्देशों से सहमत नहीं है, तो वह दल-बदल के लिए स्वतंत्र है। ब्रिटिश संसदीय प्रणाली में दल-बदल लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है।

संकटकालीन एकजुटता : मॉन्ट्रियल में 9-11 अप्रैल को लिबरल पार्टी के सम्मेलन में प्रधानमंत्री कार्नी ने खूबसूरती से कहा कि एकजुटता का अर्थ एकरूपता नहीं है। राजनीतिक या बहुमत के प्रभुत्व की तुलना में राजनीतिक भागीदारी बेहतर होती है। आज कार्नी सरकार 'राष्ट्रीय एकजुटतावादी' सरकार कहलाती है। अमरीकी राष्ट्रपति ने जिस तरह कनाडा के खिलाफ आर्थिक, ईराक के खिलाफ सैन्य, पश्चिमी उदारवादी विचारधारा के खिलाफ और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टैरिफ युद्ध शुरू किए हुए हैं, उनका मुकाबला करने के लिए देश के भीतर एक-दूसरे से लडने् की बजाय एकजुट होकर मुकाबला करने की जरूरत है। अब दूरदर्शी प्रधानमंत्री कार्नी ने कनाडा को अमरीका की गुलामी से मुक्त कराने का संकल्प लिया है। 'नाफ्टा' समझौता तोड़कर डोनाल्ड ट्रम्प ने 45वें राष्ट्रपति रहते हुए कनाडा और मैक्सिको के साथ 'कुसमा' समझौता किया था। पर अगले राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे रद्द करके फिर से नाफ्टा बहाल किया था।

रैंप वॉक पर छाई चित्रांगदा

एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने हाल ही में एक फैशन वीक में रैंप वॉक की. इस दौरान वो लहंगे में काफी खूबसूरत दिख रहीं थी. एक्ट्रसे ने खुद सोशल मीडिया पर रैंप वॉक की कई फोटोज शेयर की है.चित्रांगदा सिंह हाल ही में एक फैशन वीक में रैंप वॉक करते हुए नजर आईं, जहां उनका ग्रेस और एलीगेंस फैंस का दिल जीत ले गया. इस दौरान वह खूबसूरत लहंगे में बेहद स्टाइलिश और रॉयल लुक में दिखीं. एक्ट्रेस ने खुद भी इस रैंप वॉक की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो अब तेजी से वायरल हो रही हैं.चित्रांगदा सिंह ने इंस्ट्राग्राम पर अपनी रैंप वॉक की कई दिलकश तस्वीरें शेयर की हैं. जिसमें उनका अंदाज देखने लायक है.उन्होंने लहंगे के साथ स्टाइलिश ब्लाउज और मैचिंग दुपट्टा भी कैरी किया. उनका ये लुक बेहद ही रॉयल लग रहा था.उन्होंने लहंगे के साथ स्टाइलिश ब्लाउज और मैचिंग दुपट्टा भी कैरी किया. उनका ये लुक बेहद ही रॉयल लग रहा था.एक्ट्रेस ने अपने मेकअप को काफी सटल रखा. स्मोकी आई और लाइट शेड लिपस्टिक चूज की, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा था.एक्ट्रेस ने नथ और सिंपल नेकलेस भी पहना था. उन्होंने ब्रेड्स हेयरस्टाइल बनाकर अपने इस लुक को कंप्लीट किया.रैंप वॉक के दौरान एक्ट्रेस ने जमकर अलग-अलग अंदाज में पोज दिए है. फैंस को उनका ये लुक काफी यादा पसंद आ रहा है.उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है. एक यूजर ने कमेंट में लिखा, फेवरेट कुड़ी, वहीं दूसरी ने लिख इवरग्रीन ब्यूटी।

तेजस्वी प्रकाश ने अली गोनी पर खुलेआम उठाया हाथ

टेलीविजन जगत की चुलबुली और लोकप्रिय एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश इन दिनों कुकिंग रियलिटी शो %लाफ्टर शेफ्स सीजन 3% में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और मस्तीभरे अंदाज के कारण छाई हुई हैं। %बिग बॉस 15% की विजेता और %नागिन 6% फेम तेजस्वी इस शो में अर्जुन बिजलानी के साथ किचन संभालती नजर आती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर शो के सेट से एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें तेजस्वी प्रकाश और अली गोनी के बीच हुई एक मजेदार झड़प ने सबका ध्यान खींचा है। वीडियो में तेजस्वी, अली गोनी पर हाथ उठाती नजर आ रही हैं, जिसे देख फैंस हैरान रह गए हैं।यह वायरल वीडियो %लाफ्टर शेफ्स% के आने वाले एपिसोड की शूटिंग के दौरान का है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सभी सितारे मस्ती करते हुए सेट के अंदर जा रहे हैं। इसी दौरान भीड़भाड़ में अली गोनी का धक्का अनजाने में तेजस्वी को लग जाता है। तेजस्वी तुरंत पलटकर अली को पीछे की ओर धकेलती हैं, जिस पर अली उन्हें चिढ़ाते हुए पहले गले लगाते हैं और फिर शरारत में उनका हाथ पकड़कर घुमा देते हैं। अली की इस मस्ती का जवाब देते हुए तेजस्वी उन पर हाथ उठा देती हैं। हालांकि, वीडियो को गौर से देखने पर साफ पता चलता है कि यह कोई गंभीर लड़ाई नहीं, बल्कि दोनों दोस्तों के बीच की एक हल्की-फुल्की नोकझोंक और हंसी-मजाक है।

जन्नत जुबैर का मजेदार रिएक्शन

अली और तेजस्वी की इस हाथापाई के बीच सबसे ज्यादा चर्चा जन्नत जुबैर के रिएक्शन की हो रही है। जन्नत इन दोनों के ठीक पीछे चल रही थीं और जैसे ही उन्होंने तेजस्वी को अली पर हाथ उठाते देखा, वह कुछ पलों के लिए पूरी तरह सन्न रह गईं। उनके चेहरे पर %हक्की-बक्की% रह जाने वाले भाव साफ देखे जा सकते हैं। हालांकि, जैसे ही उन्हें समझ आया कि यह सिर्फ मस्ती चल रही है, उन्होंने तुरंत अपने एक्सप्रेशन बदले और तेजस्वी को गले लगा लिया। जन्नत का यह रिएक्शन अब मीम्स और सोशल मीडिया चर्चाओं का हिस्सा बन गया है।बता दें कि शुरुआती एपिसोड्स में तेजस्वी अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ जोड़ी बनाकर खाना बना रही थीं। लेकिन करण के शो छोड़ने के बाद अब उनकी जगह अर्जुन बिजलानी ने ले ली है। अर्जुन और तेजस्वी की बॉन्डिंग को भी दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। शो में सेलेब्स की यह आपसी ट्यूनिंग ही है जो इसे टीआरपी चार्ट में टॉप पर बनाए रखती है

अनोक याई ने TIME100 इवेंट में कस्टम कॉउचर लुक से बढ़ाया ग्लैमर

मॉडल Anok Yai ने फैशन की दुनिया में अपनी मजबूत पहचान को एक बार फिर साबित किया, जब वह TIME100 Most Influential People 2026 इवेंट में एक बेहद आकर्षक और शानदार लुक में नजर आईं। इस प्रतिष्ठित इवेंट में उनकी मौजूदगी ने रेड कार्पेट पर खास आकर्षण पैदा किया।

अनोक याई ने इस मौके पर मशहूर डिज़ाइन हाउस आशी स्टूडियो के कस्टम कॉउचर स्प्रिंग/समर 2026 आउटफिट को पहनकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनका यह लुक आधुनिक फैशन और हाई-एंड कॉउचर डिजाइन का बेहतरीन मिश्रण माना गया, जिसने इवेंट में ग्लैमर का स्तर और बढ़ा दिया।TIME100 की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने के बाद यह उपस्थिति उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है। यह सूची दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों को मान्यता देती है, और इसमें शामिल होना फैशन और ग्लोबल मॉडलिंग इंडस्ट्री में बड़ी पहचान का संकेत माना जाता है।रेड कार्पेट पर अनोक याई का यह लुक न केवल फैशन एक्सपर्ट्स के बीच चर्चा का विषय बना, बल्कि सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया। उनके आउटफिट की डिजाइनिंग, फिट और प्रस्तुति को फैशन जगत में काफी सराहा गया।फैशन समीक्षकों का मानना है कि अनोक याई ने अपने स्टाइल और प्रेजेंस के जरिए यह साबित किया है कि वह मौजूदा समय में सबसे प्रभावशाली और डिमांडेड मॉडलों में से एक हैं। उनका हर रेड कार्पेट अपीयरेंस फैशन ट्रेंड्स को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।इस इवेंट में उनकी मौजूदगी ने यह भी दिखाया कि कैसे ग्लोबल फैशन और हाई-एंड कॉउचर ब्रांड्स मिलकर नए ट्रेंड्स को जन्म दे रहे हैं। आशी स्टूडियो का यह विशेष डिजाइन भी इसी दिशा में एक रचनात्मक प्रयास माना जा रहा है।TIME100 इवेंट हमेशा से ही ग्लोबल पर्सनालिटी, इनोवेटर्स और प्रभावशाली हस्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच रहा है। इस मंच पर अनोक याई की उपस्थिति ने फैशन इंडस्ट्री में उनकी स्थिति को और मजबूत किया है।उनका यह लुक आने वाले फैशन सीज़न के लिए भी प्रेरणा माना जा रहा है, जिसमें मिनिमलिज्म और बोल्ड कॉउचर एलिमेंट्स का मिश्रण देखने को मिल सकता है।

वीर कुंवर सिंह सेतु को बंद करने की तैयारी तेज, बक्सर-भरौली में जाम का बड़ा खतरा; नए तीन लेन पुल का निर्माण युद्धस्तर पर

बक्सर (संवाददाता)।

बिहार के बक्सर और उत्तर प्रदेश के भरौली को जोड़ने वाली गंगा नदी पर बन रहा नया तीन लेन का पुल तेजी से अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। करीब 3.2 किलोमीटर लंबे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर लगभग 368 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। यह पुल क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखता है और इसे बिहार-पूर्वांचल कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

परियोजना के तहत कुल 40 विशाल पिलर तैयार किए जाने हैं। इनमें से 17 पिलर गंगा की मुख्य धारा के भीतर बनाए जा रहे हैं, जो तकनीकी रूप से काफी चुनौतीपूर्ण काम है, जबकि 23 पिलर नदी के दोनों किनारों पर खड़े किए जा रहे हैं। निर्माण कार्य में आधुनिक तकनीकों और भारी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है ताकि तय समय के भीतर पुल को पूरा किया जा सके। हालांकि, इस परियोजना की रफ्तार के बीच एक बड़ी प्रशासनिक और तकनीकी चुनौती सामने आ गई है। नए पुल का एलाइनमेंट मौजूदा वीर कुंवर सिंह सेतु से जुड़ रहा है, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। इस समस्या को देखते हुए कार्यदायी संस्था और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने बक्सर और बलिया के जिलाधिकारियों से इस पुराने सेतु को जल्द बंद करने का अनुरोध किया है, ताकि निर्माण कार्य बिना बाधा के आगे बढ़ सके।

लेकिन यह फैसला लेना प्रशासन के लिए आसान नहीं दिख रहा। बक्सर शहर पहले से ही ट्रैफिक दबाव से जूझ रहा है। खासकर बक्सर गोलंबर और भरौली गोलंबर पर रोजाना लंबा जाम लगता है, जिससे आम लोगों, व्यापारियों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यदि वीर कुंवर सिंह सेतु को अचानक

बंद कर दिया जाता है, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है और पूरे इलाके की यातायात व्यवस्था चरमरा सकती है।

इस संवेदनशील मुद्दे पर बलिया प्रशासन ने स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से सुझाव मांगे हैं। नरहीं थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि जब तक भरौली से गाजीपुर के करीमुद्दीनपुर तक प्रस्तावित ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेसवे चालू नहीं हो जाता, तब तक सेतु को बंद करना उचित नहीं होगा। उनका मानना है कि बिना वैकल्पिक मार्ग तैयार किए पुल को बंद करने से जाम की समस्या बेकाबू हो सकती है और लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

दूसरी ओर, परियोजना से जुड़े अधिकारियों का तर्क है कि मौजूदा सेतु निर्माण कार्य में सीधी बाधा बन रहा है। प्रोजेक्ट हेड संजय कुमार के अनुसार, यदि समय पर सेतु को बंद नहीं किया गया, तो नए पुल के निर्माण में देरी हो सकती है, जिससे परियोजना की लागत और समय दोनों बढ़ सकते हैं। पिछले कुछ समय में बक्सर शहर में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शहर के बाजार, मुख्य सड़कें और राष्ट्रीय राजमार्ग के जंक्शन अक्सर जाम से जूझते रहते हैं। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि उन्हें रोजाना घंटों जाम में फंसना पड़ता है, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। लंबे समय से इस क्षेत्र में एक मजबूत और वैकल्पिक मार्ग की मांग उठती रही है।

नया तीन लेन पुल इस समस्या का स्थायी समाधान बन सकता है। इसके चालू होने के बाद भारी वाहनों, ट्रकों और लंबी दूरी की बसों को शहर के बाहर से ही डायवर्ट किया जा सकेगा। इससे बक्सर शहर के अंदर ट्रैफिक का दबाव काफी कम होगा और जाम की समस्या में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा।

साथ ही, यह पुल केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा। बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, कृषि उत्पादों के परिवहन में आसानी होगी और छोटे-बड़े उद्योगों को भी फायदा पहुंचेगा। इसके अलावा, निर्माण और संचालन के दौरान स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। हालांकि, फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती यही है कि निर्माण कार्य और यातायात व्यवस्था के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। प्रशासन को एक ऐसा समाधान निकालना होगा, जिससे न तो परियोजना में देरी हो और न ही आम लोगों को जाम की गंभीर समस्या का सामना करना पड़े। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बड़ा निर्णय लिया जा सकता है, जिसका सीधा असर लाखों लोगों की दैनिक आवाजाही पर पड़ेगा।

मन की बात में सहभागिता पर युवा खरवार महासभा ने जताया आभार

एकता और जागरूकता को बताया समाज की सबसे बड़ी ताकत

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर में युवा खरवार महासभा, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष राजेश खरवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में भाग लेने वाले संगठन के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि महासभा के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी समाज में बढ़ती जागरूकता और आपसी एकजुटता का स्पष्ट संकेत है।

उन्होंने बताया कि इस तरह की सहभागिता केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह समाज में सकारात्मक सोच, जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति सजगता को भी बढ़ावा देती है। महासभा के सदस्य जिस उत्साह के साथ इस कार्यक्रम से जुड़े, वह संगठन की मजबूती और सामाजिक चेतना का प्रमाण है।

प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि आने वाले समय में इस तरह की भागीदारी को और व्यापक बनाया जाएगा, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोग प्रेरणादायक कार्यक्रमों से जुड़ सकें और देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि जागरूक समाज ही सशक्त समाज की नींव होता है।

इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और प्रयासों से समाज के सभी वर्गों के विकास को नई दिशा मिल रही है। साथ ही, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य में विकास और सामाजिक न्याय को भी मजबूती मिल रही है। राजेश खरवार ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि सरकार के सहयोग और समाज के सामूहिक प्रयासों से खरवार समाज को उसके अधिकार और सम्मान अवश्य प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि महासभा शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करती रहेगी। अंत में उन्होंने सभी सदस्यों और समाज के लोगों से अपील की कि वे एकजुट होकर समाज के उत्थान, अपने अधिकारों की प्राप्ति और संगठन की मजबूती के लिए निरंतर प्रयास करते रहें, ताकि आने वाले समय में खरवार समाज एक सशक्त, जागरूक और संगठित पहचान के साथ आगे बढ़ सके।

आइसा जिला कमेटी की बैठक संपन्न, 6 मई को दूसरे जिला सम्मेलन की तैयारी तेज

बक्सर (संवाददाता)। जिले में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की जिला कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक चीनी मिल क्षेत्र स्थित ओम प्रकाश के आवास पर आयोजित की गई, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और छात्र-युवा आंदोलन को मजबूत बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस बैठक में आइसा के राज्य सचिव सबीर कुमार की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने संगठन के विस्तार, छात्रों की समस्याओं और मौजूदा सामाजिक-शैक्षणिक परिस्थितियों पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज के समय में छात्रों और युवाओं के मुद्दों को संगठित तरीके से उठाने की आवश्यकता है, ताकि शिक्षा, रोजगार और अधिकारों से जुड़े सवालों को प्रभावी ढंग से सामने लाया जा सके। बैठक के दौरान कई अहम निर्णय लिए गए। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि आइसा बक्सर जिला का दूसरा जिला सम्मेलन आगामी 6 मई को आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। साथ ही सम्मेलन को व्यापक और प्रभावशाली बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारी शुरू करने का निर्णय लिया गया।

इसके अलावा, संगठन के विस्तार को लेकर भी विशेष रणनीति बनाई गई। निर्णय लिया गया कि व्यापक सदस्यता अभियान चलाकर गांव-गांव और मोहल्लों तक पहुंच बनाई जाएगी। छात्रों और युवाओं को संगठन से जोड़ने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिससे उनकी समस्याओं को संगठित मंच मिल सके। बैठक में यह भी तय हुआ कि शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर संगठन अपने संघर्ष को और तेज करेगा। वक्ताओं ने कहा कि छात्र-युवा वर्ग समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनके मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर आइसा जिला अध्यक्ष अनुप शर्मा, नगर सचिव अंकित सिद्धार्थ, नगर अध्यक्ष अखिलेश ठाकुर, अजीत कुमार तथा भाकपा माले के नगर सचिव ओम प्रकाश सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जमीन विवाद ने लिया खौफनाक रूप

छोटे भाई ने की बड़े भाई की गड़ासे से हत्या, पत्नी और बेटा घायल

बक्सर (संवाददाता)।

बक्सर जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मुरार थाना क्षेत्र के बंजरिया गांव में रविवार की सुबह जमीन विवाद ने इतना भयावह रूप ले लिया कि छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। इस हमले में मृतक की पत्नी और 18 वर्षीय बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज बक्सर सदर अस्पताल में जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक अक्षयबर यादव (50 वर्ष) और उनके छोटे भाई कृष्णा यादव (35 वर्ष), दोनों पिता रामाशीष यादव के पुत्र हैं। दोनों भाइयों के बीच कई वर्षों से पुश्तैनी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। परिवार और गांव के लोगों द्वारा कई बार समझौता कराने की कोशिश भी की गई, लेकिन मामला पूरी तरह सुलझ नहीं पाया था। बताया जाता है कि हाल के दिनों में यह विवाद और अधिक बढ़ गया था, जिससे परिवार में लगातार तनाव बना हुआ था। रविवार की सुबह लगभग 7 बजे अक्षयबर यादव की पत्नी मीना देवी अपने घर के आंगन में बने मिट्टी के चूल्हे की सफाई कर रही थीं। तभी अचानक छोटे भाई कृष्णा यादव वहां पहुंचे और चूल्हे को तोड़ते हुए गाली-गलौज करने लगे। उनका आरोप था कि जिस

स्थान पर चूल्हा बनाया गया है, वह जमीन उनके हिस्से में आती है। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई।

शोर सुनकर अक्षयबर यादव मौके पर पहुंचे और अपने छोटे भाई को शांत करने की कोशिश की। लेकिन विवाद बढ़ता चला गया और देखते ही देखते स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गुस्से में आकर कृष्णा यादव ने पास में रखा गड़ासा उठा लिया और अपने बड़े भाई पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से अक्षयबर यादव संभल भी नहीं पाए। वार इतने बेरहमी से किए गए कि उनके दोनों हाथ बुरी तरह कट गए और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। कुछ ही मिनटों में उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई।

अपने पति को बचाने के लिए मीना देवी और उनका बेटा विकास कुमार (18 वर्ष) दौड़कर पहुंचे, लेकिन आरोपी का गुस्सा यहीं नहीं थमा। उसने दोनों पर भी हमला कर दिया। इस हमले में मीना देवी के हाथ में गहरे जख्म हो गए, जबकि विकास कुमार की गर्दन के पास गंभीर चोट आई। हमले के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए।

ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तुरंत चौगाई अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद अक्षयबर यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी और बेटे का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

घायल विकास कुमार ने अस्पताल में बताया कि जमीन को लेकर दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से तनाव था। कुछ समय पहले आरोपी कृष्णा यादव ने दादी से तीन कट्ठा जमीन अपने नाम करा ली थी, जिसके बाद से परिवार में विवाद और बढ़ गया था। इस मामले को लेकर कई बार थाने में शिकायत भी की गई थी, लेकिन हर बार दोनों पक्षों को समझाकर घर भेज दिया जाता था।

घटना की सूचना मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार के नेतृत्व में मुरार थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कृष्णा यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त गड़ासा भी बरामद कर लिया है। एसडीपीओ ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला पारिवारिक जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद गांव में दहशत और मातम का माहौल है। लोग इस बात से स्तब्ध हैं कि जमीन के झगड़े ने एक परिवार को इस तरह बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते विवाद का स्थायी समाधान हो जाता, तो शायद यह दर्दनाक घटना टल सकती थी। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई जारी है।

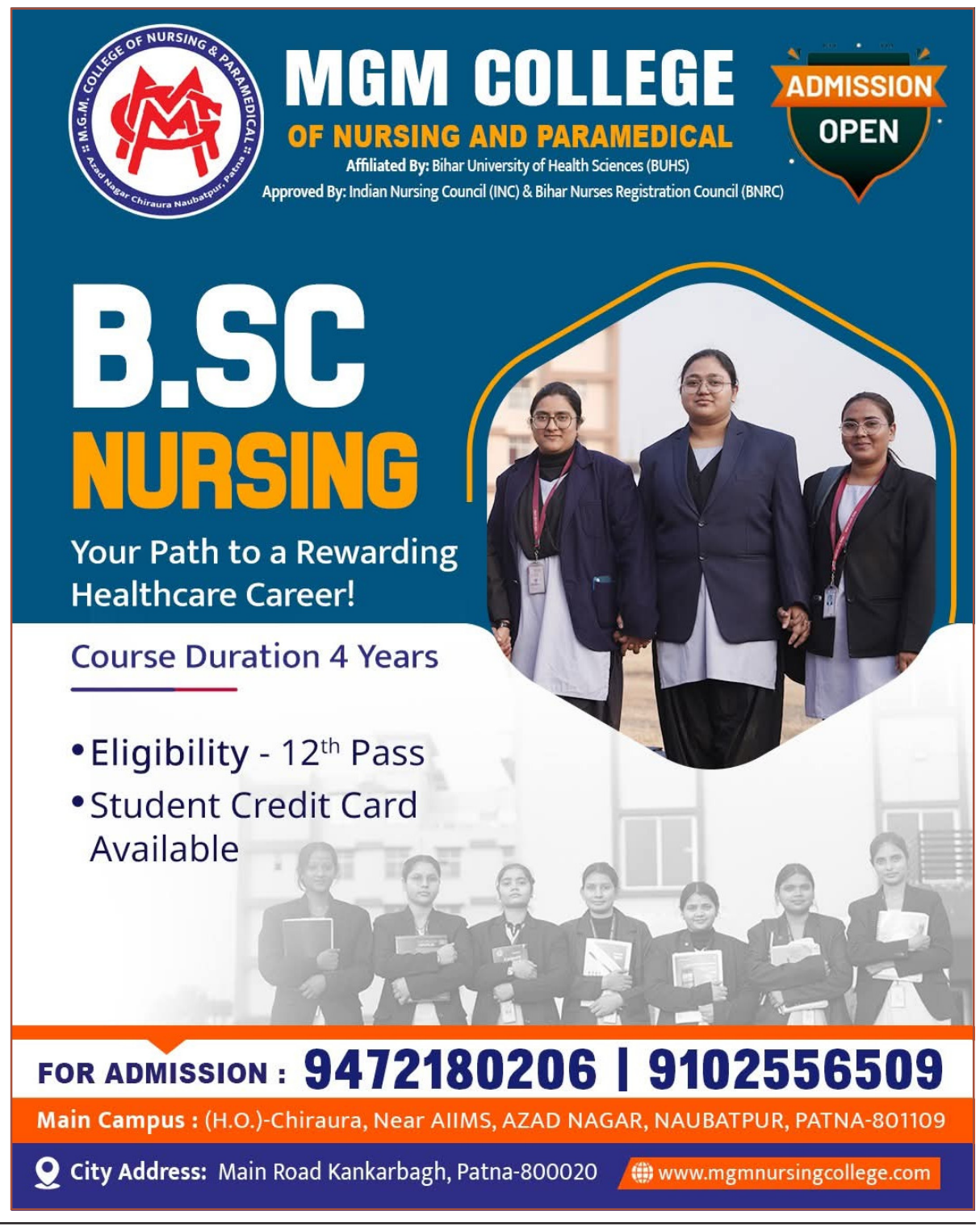

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480